अप्रैल 2021, वर्ष 2 अंक 3 • UPHIN/2020/78911 • www.newsbucket.in • मूल्य 10 रुपये /-

न्यूज़ बकेट

बैंक में चाहिए जॉब, तो ऐसे करें एग्जाम की तैयारी! - 34

अंकिता का खुलासा, रोल के लिए प्रोड्यूसर ने रखी थी साथ सोने की शर्त! - 26

अभिषेक की 'दी बिग बुल' का ट्रेलर देखकर जनता 'स्कैम 1992' की चर्चा करने लगी! - 23

ममता की अग्निपरीक्षा!

मतगणना के बाद जनता का फैसला पता चल जाएगा - ममता बनर्जी

बंगाल ने परिवर्तन के लिए ही ममता दीदी पर भरोसा किया था लेकिन उन्होंने भरोसा तोड़ दिया - पीएम मोदी

बनिया हूं, मुझ पर भरोसा रखना - अमित शाह

नंदीग्राम में अगर कम से कम पचास हज़ार वोटों के अंतर से नहीं हराया तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा - शुभेंदु अधिकारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में

बनायें अपने सपनों का आशियाना,

सस्ते दामों में प्लॉट उपल!

साक्षी इंफ्रासिटी प्रा0 लि0 क्रय विक्रय केंद्र

सारनाथ, भुल्लनपुर, केशरीपुर, रोहनिया, रामनगर,टेंगड़ामोड़, सामनेघाट, पटेलनगर, पहड़िया में ज़मीन, मकान, प्लॉट व फॉर्महॉउस हेतु संम्पर्क करें।

बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स, बीएचयू रोड, लंका, वाराणसी
ओम साई की कुटी, अकथा तिराहा, वाराणसी

मोबाइल न. 7905288635, 0542-2581888

भीतर

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ!

कदम मिलाकर चलना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्मृतिशेष अटल बिहारी वाजपेयी जी की कलम से निःसृत ये पंक्तियां मुझे सतत ध्येय प्राप्ति हेतु साधना करने की शक्ति प्रदान करती रही हैं। पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 09 पर...**

रात के 2 बजे पार्टी से लौटने का हक हरेक को है, (फिलहाल अभी तक जब तक इसे देशद्रोह न मान लिया जाए) पर यह न भूलें कि इस संस्कारी देश में सड़क पर बिखरे गुंडों की कमी नहीं है।

पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 12 पर...**

सत्ताधीशों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल हो रहा है देश का कानून!

सालों से पुलिसिया उत्पीड़न से आहत अमीरचंद पटेल ने लगाई योगी सरकार से गुहार, फर्जी मुकदमे हों ख़त्म!

वाराणसी के समाजसेवी अमीरचंद पटेल ने कई सालों से हो रही पुलिसिया कार्रवाई से परेशान होकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है। पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 19 पर...**

संपादकीय.....04
कवर स्टोरी.....05-08
विचार.....09-12
मुद्दा.....13-15
राजनीति.....16-22
मनोरंजन.....23-26
साक्षात्कार.....27-29
खेल जगत.....30-31
टेक ज्ञान.....32-33
नौकरी.....34
स्वास्थ्य.....35
धार्मिक.....36-37
राशिफल.....38
न्यूज़ हेडलाइंस.....39-45
टाइम-पास.....46

न्यूज़ बकेट

www.newsbucket.in

अप्रैल 2021

वर्ष 2 अंक 3

संस्थापक संरक्षक
संरक्षक : मिथिलेश पटेल
प्रधान संपादक : राजू श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार : रमेश उपाध्याय
पत्रकार : विकास कुमार श्रीवास्तव
फोटो एडिटर : सुधीर कुमार गुप्ता
छायाकार : धीरेन्द्र प्रताप
मार्केटिंग हेड : अमित यादव

कानूनी सलाहकार
भूपेश पाठक : **अधिवक्ता**

प्रधान कार्यालय (FIVE ALPHABETS)
बी - 31/19, आर बाबा शॉपिंग
काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी।
E-Mail : m@fivealphabets.com
मो0 : 9415147110, 8574479280, 9807505429

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मिथिलेश पटेल एवं संपादक राजू श्रीवास्तव ने रॉयल प्रिंटिंग वर्क्स - C 25/2 राम कटोरा, चेतगंज, वाराणसी से मुद्रित कराकर बी - 31 /19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी से प्रकाशित किया।

R.N.I.-UPHIN/2020/78911

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के हैं। उसमे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का क्षेत्र वाराणसी न्यायालय होगा।

भारत में आज भी कमजोर वर्गों के कम पढ़े लिखे युवाओं के लिए धर्म का धंधा सब से बड़ा काम है जहां खुद की सोचने की आजादी का कोई काम नहीं होता। वॉशिंगटन स्थित प्रतिष्ठित थिंक टैंक फ्रीडम हाउस ने इस साल भारत का स्टेटस 'फ्री' से घटा कर 'पार्टली फ्री' कर दिया है। पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 17 पर...**

आजाद भारत में आज़ादी नहीं!

सावधान.. अगर यही हाल रहा तो फिर लगेगा लॉकडाउन!

एक ओर जहां कोरोना वायरस दोबारा से देश दस्तक दे चुका है, वहीं आम जनता में इस संक्रमण को लेकर लापरवाह बनी हुई है। यह लापरवाही भारी पड़ सकती है। क्योंकि कोरोना वायरस दोबारा से फैलने लगा है और यदि हम नहीं समझे तो सरकार को दोबारा से लाकडाउन जैसे कड़े कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

दिल्ली और महाराष्ट्र समेत देश के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। लगातार बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के कई राज्यों के कुछ इलाकों में लॉकडाउन को फिर से लगाना पड़ा है। महाराष्ट्र के नागपुर में लॉकडाउन लगा दिया गया। ऐसा ही नजारा गुजरात और पंजाब प्रान्त में भी देखने को मिल रहा है। इन राज्यों के कई शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाने के साथ स्कूल और कॉलेजों को भी बंद कर दिया गया है।

देश में लगातार जारी वैक्सीनेशन से अभी भी लोग किनारा कर रहे है। देश के सभी उम्र वर्ग के लोगों को वैक्सीन लगाने का काम जारी है। फ्रंट लाइन के लोगों को वैक्सीन लगने के बाद अब सभी तबके के लोगों को वैक्सीन लग रही है। मगर वैक्सीन को लेकर अभी भी लोगों के मन में संशय बना हुआ है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में लापरवाही देखी जा रही है।

दरअसल वैक्सीन को लेकर शुरू से ही चल रहे विवादों के कारण भी कुछ लोग इससे किनारा कर रहे है। कई मामलें ऐसे भी सामने आये है जिनमें वैक्सीन लगने के बाद भी लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है शायद यही कारण है कि लोग वैक्सीन से किनारा कर रहे हैं। इसको लेकर केंद्र सरकार भी जनता से अपील कर रही है कि वैक्सीन अवश्य लगवाएं। मास्क और शारीरिक दूरी के नियम का उल्लंघन करने वाले कुछ लोगों का कहना है कि अब जब वैक्सीन आ गयी है तो अब डरने की क्या बात है?

यह ठीक है कि वैक्सीनेशन चल रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोरोना वायरस समाप्त हो गया है और हमें सावधान रहने की आवश्यकता नहीं है। असल में कोरोना वायरस को हराना है तो मास्क व शारीरिक दूरी के नियम की सख्ती से पालना करना भी जरूरी है। इसी को लेकर न्यूज़ बकेट ने शहर के विभिन्न बाजारों, सब्जी मंडी का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान पाया कि शायद ही कोई मास्क लगाए हुए हो। अधिकांश लोगों के मुंह से मास्क गायब हो चुका है। शहर के बाजारों में लोग इन दिनों बेखौफ होकर बिना मास्क और शारीरिक दूरी का ख्याल रखे घूम रहे हैं। शहर के बस स्टैंड, सब्जी मंडी, पुल बाजार और पार्क गली में लोग बिना मास्क के गलियों में खरीदारी कर रहे हैं। बसों में बिना मास्क के लोग सफर कर रहे हैं। सावधान.. अगर यही हाल रहा तो फिर फैलेगा कोरोना, और फिर लगेगा लॉकडाउन!

-राजू श्रीवास्तव

बंगाल में बीजेपी के सामने ममता बनर्जी की अग्निपरीक्षा!

तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच चल रही चुनावी जंग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को एक घमासान में तब्दील कर दिया है।

जहाँ एक तरफ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में बीजेपी अपनी पूरी ताक़त इन चुनावों में झोंक रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अपनी सत्ता बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

असम और त्रिपुरा में सरकारें बनाने के बाद, बीजेपी का अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल को फ़तह करना है। 294 सीट वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में इस समय तृणमूल कांग्रेस के 211 विधायक हैं। जबकि बीजेपी के पास सिर्फ़ तीन विधायक हैं।

याद रहे, 2016 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने 291 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 263 सीट पर उसके उम्मीदवारों की ज़मानत ज़ब्त हो गई थी। इसी चुनाव में कांग्रेस ने 44 और सीपीएम ने 26 सीटें जीती थीं।

क्यों बीजेपी बंगाल में जीत की उम्मीद कर रही है?

इसका सीधा जवाब 2019 के लोकसभा चुनावों से जुड़ा हुआ है। बीजेपी, जिसकी 2014 लोकसभा चुनावों में कुल 42 में से केवल दो सीटें आई थीं, 2019 के लोकसभा चुनावों में 18 सीटें जीतने में कामयाब रही।

महत्वपूर्ण बात यह भी रही कि इन 18 सीटों को जीतने में बीजेपी ने अपना वोट शेयर 2014 के 17.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 2019 में 40.64 प्रतिशत कर लिया।

ये वोट शेयर तृणमूल कांग्रेस के 43.69 प्रतिशत के बहुत नज़दीक था। तृणमूल कांग्रेस 42 में से 22 सीटें भले ही जीत गई, लेकिन 2014 की तुलना में उसे 12 सीटों का नुक़सान हुआ।

कांग्रेस, जिसने 2014 लोकसभा चुनाव में चार सीटें जीती थीं, 2019 में दो सीटों पर सिमट गई और सीपीएम, जिसने 2014 में दो सीटें जीती थीं, 2019 में अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

ममता बनर्जी की अग्निपरीक्षा –

बंगाल के 294 सीटों पर चुनाव होने वाले हैं, सभी राजनीतिक दलों ने अपना सारा जोर लगा दिया है। लेकिन असली परीक्षा ममता बनर्जी की तृणमूल

कांग्रेस की है क्योंकि बंगाल में 2016 में

तृणमूल कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया था और कुल 211 सीटें जीतने में कामयाब रही थी।

क्या इस बार भी ममता का 2016 वाला जादू चलेगा?

2016 में ममता ने 211 सीटें जीतीं थी। ममता बनर्जी इससे खुश हो सकती हैं, लेकिन 2021.. 2016 से बहुत अलग है। इसके बीच में 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े आते हैं। जो बीजेपी के लिए इन इलाकों में राहें आसान कर रही हैं और ममता बनर्जी की परेशानी बढ़ा रही है। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां की 80% सीटों पर बीजेपी आगे रही थी।

बंगाल में बीजेपी के उत्थान की क्या वजहें हैं?

2014 में केंद्र में सत्ता में आने के बाद से ही बीजेपी ने मोदी लहर के चलते कई राज्यों में चुनाव जीते और सरकार बनाई। इनमें से कई चुनाव केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनकी सरकार के प्रदर्शन पर लड़े गए।

इन चुनावी विजयों से उत्साहित हो बीजेपी ने उन राज्यों की तरफ़ देखना शुरू किया, जहाँ उसकी कोई ख़ास उपस्थिति नहीं थी।

असम और त्रिपुरा में जीत हासिल करने के बाद, बीजेपी ने बंगाल के गढ़ को भेदने की तैयारी शुरू की और 2019 के लोकसभा चुनाव ने उसे यह भरोसा दिला दिया कि 2021 के विधानसभा चुनाव में वो अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

10 साल लगातार सत्ता में रहने के कारण ममता बनर्जी कुछ हद तक विरोधी लहर का सामना भी कर रही हैं। अगर बंगाल की राजनीतिक शक्तियों के संतुलन का विश्लेषण किया जाए, तो यह बात स्पष्ट है कि बीजेपी को पिछले 10-11 सालों में पश्चिम बंगाल में जो स्थान मिला है, वो केवल और केवल टीएमसी के कारण है।

पिछले कुछ महीनों में तृणमूल से कई बड़े नेता पार्टी छोड़ कर चले गए। इनमें से अधिकतर बीजेपी में शामिल हुए। दिनेश त्रिवेदी, मुकुल रॉय, शुवेन्दु अधिकारी और सिसिर अधिकारी सहित कई वरिष्ठ नेता टीएमसी से बीजेपी में जा चुके हैं।

दिनेश त्रिवेदी, जो कई वर्ष टीएमसी में रहने के बाद हाल ही में बीजेपी में शामिल हो गए हैं। वो कहते हैं, "हमने तृणमूल की स्थापना की, अगर सब निकल जाते हैं, तो कहीं ना कहीं कुछ तो गड़बड़ है पार्टी में। जो पार्टी के मूल आदर्श थे, वही चले गए। पार्टी शायद ममता जी के नेतृत्व में नहीं रही और आजकल कहीं और चली गई है।"

टीएमसी के सौगत राय इस आरोप को ग़लत बताते हैं। तृणमूल से जो लोग बीजेपी में चले गए हैं, उसपर सौगत राय कहते हैं, "कुछ लोग चले गए हैं। उन्होंने पार्टी से गद्दारी की है। उससे कोई फ़र्क नही पड़ा। उनके जाने से तो बीजेपी की समस्या बढ़ गई है। क्योंकि बीजेपी में अब पुराने और नए बीजेपी के बीच लड़ाई है। तो इससे तो बीजेपी को नुक़सान ही पहुँचेगा।"

सौगत राय के अनुसार 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने थोड़ा अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए उनकी उम्मीदें बढ़ गई हैं।

बंगाल चुनाव में ग्लैमरस चेहरों पर दांव लगा रही हैं पार्टियां!

पश्चिम बंगाल में चुनावी तापमान तेजी से बढ़ रहा है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। कांग्रेस और वाम दलों का गठबंधन भी ताल ठोक रहा है। सबकी कोशिश मतदाताओं को लुभाने की है।

राजनीतिक दल इस चुनाव में ग्लैमरस चेहरों पर बड़ा दांव लगाते दिख रहे हैं। इससे फिल्मी सितारों को राजनीति में वैकल्पिक करियर बनाने का मौका मिल रहा है। इन सितारों में बंगाली फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक के हीरो-हिरोइनें शामिल हैं।

पिछले हफ्ते अभिनेत्री सयानी घोष, कंचन मल्लिक, निर्देशक राज चक्रवर्ती सहित फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई लोग सत्तारूढ़ टीएमसी में शामिल हुए थे। अभिनेत्री सयांतिका बंद्योपाध्याय भी बुधवार को राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की उपस्थिति में तृणमूल में शामिल हुई हैं।

पिछले महीने बांग्ला फिल्म हस्तियों में अभिनेता यश दासगुप्ता, सौमिली घोष विश्वास, पापिया अधिकारी, मीनाक्षी घोष, सुतापा मुखर्जी, त्रामिला भट्टाचार्य और मल्लिका बैनर्जी के साथ ही निर्देशक राज मुखर्जी, निर्माता-निर्देशक अतनु रॉय और संगीत निर्देशक सुभायु बेदोगो ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा है। मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती भी 7 मार्च को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान मंच पर बीजेपी का झंडा लहराकर पार्टी में शामिल हुए थे।

अभिनेता हिरेन चटर्जी, जिन्हें तृणमूल के अंदरूनी सूत्र के रूप में जाना जाता है, वह भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

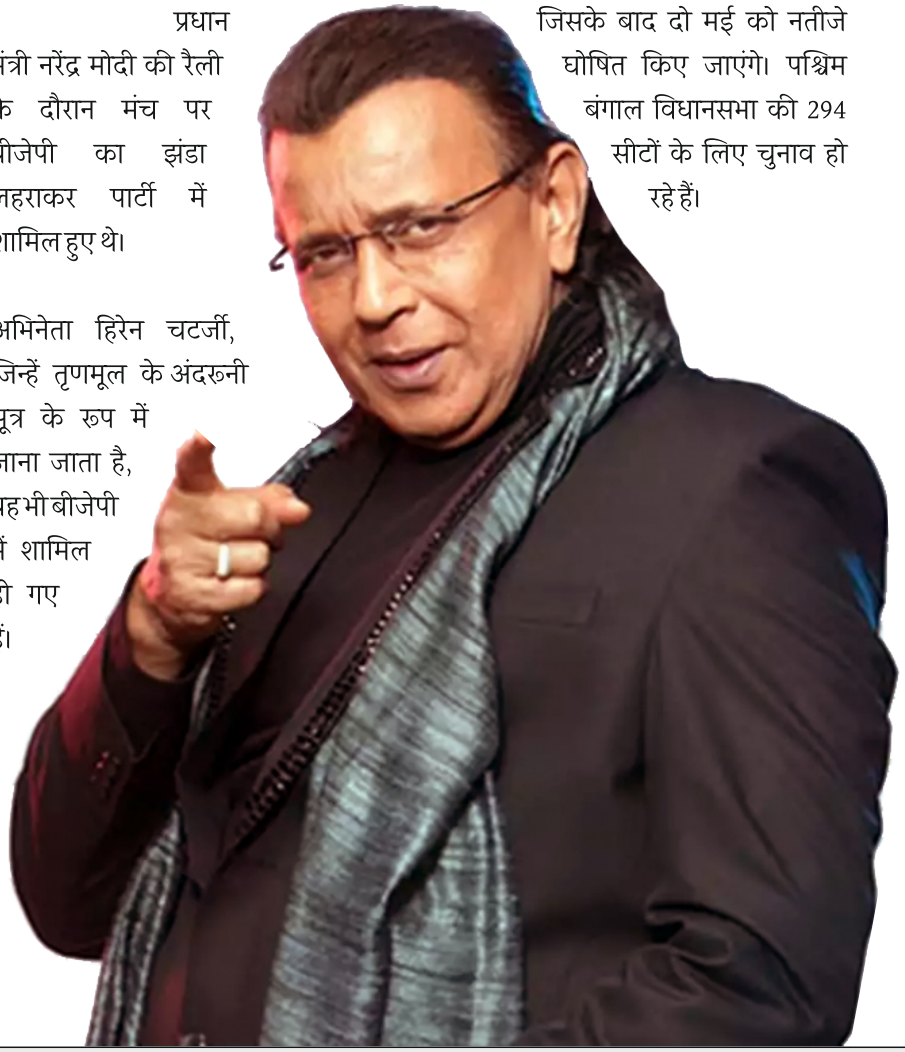

बाबुल सुप्रीयो, मिथुन चक्रवर्ती और रुपाली गांगुली पहले से ही भाजपा के साथ जुड़े हुए हैं।

भाजपा और टीएमसी के तर्ज पर वाम दल भी स्टार पावर का सहारा ले रहे हैं। सीपीएम के साथ अभिनेता सब्यसाची चक्रवर्ती, बडगा मोइत्रा, निर्देशक अनीक दत्ता और कमलेश्वर मुखर्जी जैसी कई फिल्मी हस्तियों को देखा गया था, जो वाम-कांग्रेस-भारतीय सेक्युलर मोर्चा (आईएसएफ) गठबंधन के लिए खुलकर प्रचार कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 27 मार्च से शुरू हो चुका है। मतदान आठ चरणों में 29 अप्रैल तक चलेगा जिसके बाद दो मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में 27 मार्च, 1, 6, 10, 17, 22, 26 और 29 अप्रैल को वोटिंग!

पश्चिम बंगाल में चुनाव जारी हैं। यहाँ पर आठ फेज में चुनाव होने हैं। 27 मार्च को पहले चरण की वोटिंग हुई। एक अप्रैल को दूसरे फेज का मतदान, 6 अप्रैल को तीसरे फेज का मतदान, 10 अप्रैल को चौथे फेज का मतदान, 17 अप्रैल को पांचवे फेज का मतदान, 22 अप्रैल को छठे फेज का मतदान, 26 अप्रैल को सातवें फेज का मतदान और 29 अप्रैल को आखिरी आठवें फेज का मतदान होना है।

चुनाव आयोग ने बताया कि पश्चिम बंगाल में एक लाख से ज्यादा मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे। कोरोना को देखते हुए सभी राज्यों में मतदान केंद्र बढ़ाए गए हैं। इसके अलावा मतदान का समय भी एक घंटा बढ़ाया गया है। कोरोना को देखते हुए सभी चुनाव अधिकारियों का टीकाकरण किया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुनील अरोड़ा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 2016 में 77,413 चुनाव केंद्र थे, अब 1,01,916 चुनाव केंद्र होंगे। सभी सीटों के लिए वोटो की गिनती 2 मई को होगी।

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 125 कंपनियों की तैनाती की गई है।

पश्चिम बंगाल में एक लाख से ज्यादा मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे। कोरोना को देखते हुए सभी राज्यों में मतदान केंद्र बढ़ाए गए हैं।

इसमें सीआरपीएफ की 60 कंपनी, बीएसएफ की 25 कंपनी, एसएसबी की 30 कंपनी, सीआईएसएफ की 5 कंपनी और आईटीबीपी की 5 कंपनियां शामिल हैं।

बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें है। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दूसरे नंबर पर कांग्रेस थी, जो सिर्फ 44 सीट जीतने में कामयाब रही थी। 2016 के चुनाव में बीजेपी सिर्फ तीन सीट जीत सकी थी, लेकिन इस बार का मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच ही बताया जा रहा है।

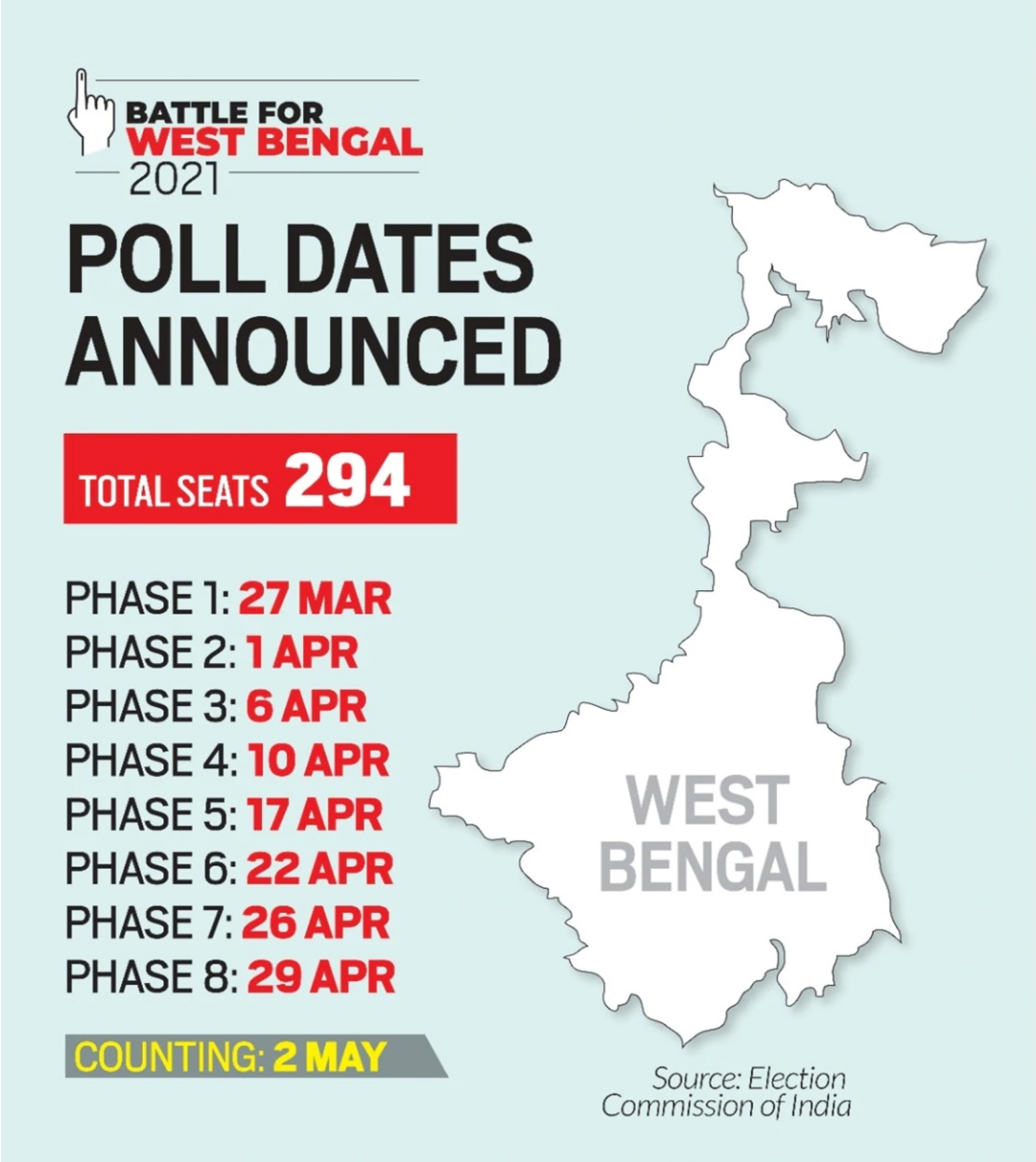

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ!

[योगी आदित्यनाथ] पावस बनकर ढलना होगा। कदम मिलाकर चलना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्मृतिशेष अटल बिहारी वाजपेयी जी की कलम से निःसृत ये पंक्तियां मुझे सतत ध्येय प्राप्ति हेतु साधना करने की शक्ति प्रदान करती रही हैं। उत्तर प्रदेश की सेवा करते चार वर्ष कैसे बीते, इसका क्षण भर भी भान न हो सका और अब यह विश्वास और दृढ़ हो चला है कि साफ नीयत और नेक इरादे से किए गए सत्प्रयास सुफलित अवश्य होते हैं। कोविड-19 की विभीषिका से संघर्ष का एक वर्ष बीत चुका है। मुझे याद आता है जनता कफ्यरू का वह दिन जब कोरोना के गहराते संकट के बीच राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति महोदय ने फोन पर बातचीत कर मुझसे प्रदेश की तैयारी के संबंध में जानकारी ली थी। उन्हें चिंता थी कि कमजोर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, सघन जनघनत्व और बड़े क्षेत्रीय विस्तार वाला उत्तर प्रदेश इस महामारी का सामना कैसे करेगा?

मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश इस आपदा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा और अंततः हुआ भी यही। एक तरफ हमने मंत्रिपरिषद की एक टीम बनाई, जो पॉलिसी तय किया करती थी, तो दूसरी तरफ अधिकारियों की एक टीम-11 गठित की। हर दिन छोटी-छोटी गतिविधियों की बारीकी से समीक्षा होती और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती। दूसरे प्रदेशों में रह रहे उत्तर प्रदेश वासियों की कोई समस्या हो अथवा प्रदेश में निवासरत लोगों की जरूरतें, सब पर सीधी नजर रखी गई। मुझे आज यह लिखते हुए आत्मिक संतोष है कि इस वैश्विक लड़ाई में पूरा उत्तर प्रदेश एकजुट रहा। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के टेस्टिंग और ट्रेसिंग के मंत्र को आत्मसात किया और समवेत प्रयास से सफलता प्राप्त की। परिणामतः आज प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थाएं भी उत्तर प्रदेश के कोरोना प्रबंधन की सराहना कर रही हैं।

विकास की राह पर आगे बढ़ता उत्तर प्रदेश-

विकास की राह पर आगे बढ़ता हुआ यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां महज चार साल में 40 लाख परिवारों को आवास मिला। एक करोड़ 38 लाख परिवारों को बिजली कनेक्शन मिला, हर गांव की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया गया और गांव-गांव तक आप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। अंतरराज्यीय संपर्क को भी सुदृढ़ किया गया है। पांच एक्सप्रेस-वे विकास को रफ्तार देने के लिए तैयार हो रहे हैं तो देश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। हमें याद रखना होगा कि वर्ष 2015-16 में प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय मात्र 47,116 रुपये थी। आज 94,495 रुपये है। यह है परिवर्तन।

निवेशकों की पहली पसंद उत्तर प्रदेश

बदलते वातावरण का परिणाम है कि आज निवेशकों की पहली पसंद उत्तर प्रदेश है। चार साल के भीतर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की राष्ट्रीय रैंकिंग में 12 पायदान ऊपर उठकर नंबर दो पर आना कोई सरल कार्य नहीं था, पर हमने यह कर दिखाया। हमारी सरकार ईज ऑफ लिवंग पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा है। वह देश की 5 टिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनाने का महान लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश इस लक्ष्य का संधान करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करता है।

किसानों की प्रगति को नवीन आयाम देने वाला प्रयास-

चार वर्ष पूर्व अन्नदाता किसान ऋण की माफी से वर्तमान सरकार की लोककल्याण की यात्रा प्रारंभ हुई थी। राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक तब तक नहीं की, जब तक लघु एवं सीमांत किसानों की ऋणमाफी की कार्ययोजना तैयार नहीं कर ली। आज प्रदेश में किसान उन्नत तकनीक से जुड़कर कृषि विविधीकरण की ओर अग्रसर हो रहे हैं। हाल में केंद्र सरकार ने कृषि सुधारों की ऐतिहासिक पहल की है। यह किसानों की प्रगति को नवीन आयाम देने वाला प्रयास है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक मूल्य जहां मिले, वहां बेचने के लिए स्वतंत्रता हासिल है। मंडियों को राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी प्लेटफॉर्म ई-नाम से जोड़ने की योजना प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में लागू की जा रही है।

किसानों की उम्मीद और खुशहाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल-

प्रदेश सरकार ने दशकों से लंबित पड़ीं सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का कार्य किया है। प्रदेश में अब तक 1.27 लाख करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। हमारी सरकार ने बंद चीनी मिलों को चलाने का कार्य किया है। कोरोना कालखंड के दौरान 119 चीनी मिलें कार्य करती रहीं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में उत्तर प्रदेश को सवरेत्तम प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। प्रदेश के दो करोड़ 42 लाख किसान इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। कृषक दुर्घटना बीमा योजना का दायरा बढ़ाया गया है और अब बटाईदार और किसान के परिजन भी इससे लाभान्वित हो सकेंगे। किसानों की उम्मीद और खुशहाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और हम इस पर पूरी तरह खरा उतरने के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।

आस्था और अर्थव्यवस्था, दोनों के प्रति हमारा समदर्शी भाव है-

बीते चार वर्षों में प्रदेश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जो ज्योति प्रज्ज्वलित हुई है, उसने हर सनातन आस्थावान के हृदय को आलोकित किया है। श्रीरामजन्मभूमि पर सकल आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम के भव्य-दिव्य मंदिर के निर्माण के शिलान्यास की सदियों पुरानी बहुप्रतीक्षित साधना 2020 में पूरी हुई। अयोध्या दीपोत्सव, काशी की देव दीपावली और ब्रज रंगोत्सव की सराहना हुई। आस्था और अर्थ व्यवस्था, दोनों के प्रति हमारा समदर्शी भाव है। हमारी नीतियों में दोनों भाव समानांतर गति करते हैं।

दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनकर उभरा-

चार साल पहले जिस प्रदेश को बीमारू कहा जाता था, जो अर्थव्यवस्था के पैमाने पर पांचवें पायदान पर था, जहां युवा पलायन को मजबूर था, आज उसकी प्रगति और उसकी नीतियां अन्य राज्यों के लिए नजीर बन रही हैं। 2015-16 में 10.90 लाख करोड़ की जीडीपी वाला राज्य समन्वित प्रयासों से आज 21.73 लाख करोड़ की जीडीपी के साथ सर्वत्र देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनकर उभरा है। राज्य वही है, संसाधन वही हैं, काम करने वाले वही हैं, बदली है तो बस कार्यसंस्कृति। पारदर्शी कार्यसंस्कृति इस नए उत्तर प्रदेश की पहचान है।

किसान, नौजवान, महिला और गरीब वर्तमान सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं-

प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास का पाथेय प्रदान किया है। मुझे प्रसन्नता है कि हम इसी पाथेय के अनुरूप अपनी नीतियों को क्रियान्वित करने में सफल रहे हैं। किसान, नौजवान, महिला और गरीब वर्तमान सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं और यही वजह है कि जनता सरकार के साथ है। लोककल्याण के संकल्प की शक्ति के बल पर प्रदेश आज सिद्धि के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मां भारती हमारा पथ प्रशस्त करें..

(लेखक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

सत्ताधीशों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल हो रहा है देश का कानून!

विकास श्रीवास्तव

रात के 2 बजे पार्टी से लौटने का हक हरेक को है, (फिलहाल अभी तक जब तक इसे देशद्रोह न मान लिया जाए) पर यह न भूलें कि इस संस्कारी देश में सड़क पर बिखरे गुंडों की कमी नहीं है। रात को लड़की के अकेले या सिर्फ एक पुरुष को, चाहे पिता हो या पति, देख कर हैरेस करना आम बात है। अब गुंडोंमवालियों के पास अपनी नई गाड़ियां भी हैं क्योंकि ज्यादातर लोग सत्तारूढ़ पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता हैं और पुलिस वालों को धमकाना आसान है।

दिल्ली की एक टीवी एक्ट्रेस रात 2 बजे सड़क पर बुरी तरह भयभीत हुए जब एक कार में सवार लोगों ने उस का पीछा करना शुरू कर दिया और फिर उस के घर तक पहुंच गए। उन्होंने पुलिस की परवाह भी नहीं की क्योंकि पुलिस ने तुरंत उन्हें जमानत भी दे डाली। उन के संपर्क ही ऐसे थे। रोहिणी इलाके के डीसीपी प्रमोद कुमार मिश्रा कहते रहें कि अपराध जमानती था, पर असल बात कुछ और है। देश का कानून आजकल केवल सत्ताधीशों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल हो रहा है और अदालतें, यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय तक पर पूरा भरोसा नहीं रह गया है। क्योंकि आज का न्यायाधीश कल सत्तारूढ़ दल का बाकायदा सदस्य हो सकता है।

इसलिए जो लड़कियां सड़क पर रात के चलने का जोखिम ले रही हैं उन्हें किसी भगवाधारी को पटा कर रखना चाहिए ताकि वे भी आफत में किसी की शरण ले सकें। ऋषिमुनियों की शरण में ही सुरक्षा मिलती है, यह वैसे भी हमारे पुराण कहते हैं और प्रवचनों के बल पर चल रही पुलिस फोर्स अब औरतों की सुरक्षा को सैकेंड्री काम ही मानती है। रात को चलो तो गाड़ी पर भगवा झंडा लहरा लेना एक सुरक्षात्मक जरिया हो सकता है। सिर पर भगवा दुपट्टा भी काफी सुरक्षा की गारंटी है।

अफसोस यह है कि आज भी मीडिया में ऐसे लोग हैं जो गोदी मीडिया की नहीं सुनते और मानते हैं कि देश की कानून व्यवस्था संविधान से चलती है, प्रवचनों वालों के नारों से नहीं। उन के साथ वही हुआ जो इस युवती और उस के पति के साथ हुआ।

उत्तराखंड में सियासी उठापटक, नेतृत्व पर सवाल!

उत्तराखंड में त्रिवेंद्र सिंह रावत को हटा कर तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाने के बाद अब वहां भाजपा विधायकों का असंतोष कुछ शांत हो गया है। पार्टी ने भी राहत की सांस ली है। मगर इसके बाद भी वहां सब कुछ ठीकठाक रहने वाला है, दावा नहीं किया जा सकता। उत्तराखंड में भाजपा विधायक त्रिवेंद्र सिंह रावत के व्यवहार और कामकाज के तरीके से खासे नाराज थे। उन्होंने पार्टी की केंद्रीय कमान से उन्हें हटाने की गुहार लगाई थी।

उनका कहना था कि त्रिवेंद्र रावत के रहते अगले विधानसभा चुनावों में पार्टी का जीतना असंभव होगा। हालांकि असंतुष्ट विधायकों को मनाने का खासा प्रयास किया गया, मगर विधायकों ने स्पष्ट कर दिया कि वे त्रिवेंद्र रावत से खुश नहीं हैं और उनका रहना पार्टी के लिए भी खतरा साबित हो सकता है। आखिरकार त्रिवेंद्र रावत को पद छोड़ने को कह दिया गया और उनकी जगह कई वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज करते हुए पौड़ी से सांसद तीरथ सिंह रावत को जिम्मेदारी सौंप दी गई। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद केंद्रीय कमान की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का

विश्वास भी दिलाया है। यह अच्छी बात है कि भाजपा की केंद्रीय कमान ने उत्तराखंड में विधायकों के असंतोष को मान-मनौवल के जरिए लंबे समय तक खींचने के बजाय, तत्काल नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय किया। अक्सर ऐसी स्थितियों में राजनीतिक पार्टियां मुख्यमंत्री के पक्ष में खड़ी नजर आने लगती हैं।

विधायकों के साथ उनकी रस्साकशी चलती रहती है। इससे बेवजह विपक्षी दलों को अपनी सियासी रोटियां सेंकने का मौका मिलता है। उत्तराखंड में भाजपा ने ऐसा नहीं होने दिया। दरअसल, न सिर्फ त्रिवेंद्र सिंह रावत का काम करने का तरीका लोगों को खटक रहा था, बल्कि उन्होंने उत्तराखंड में लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने का प्रयास भी नहीं किया।

मुख्यमंत्री पद संभालने के साथ ही जिस तरह लोगों की समस्याएं सुनते हुए उन्होंने एक महिला अध्यापक के साथ बड़े कठोर ढंग से बर्ताव किया था, तभी से उनके तरीके पर अंगुलियां उठनी शुरू हो गई थीं। पर हैरानी है कि चार सालों तक वे उसी रंग-ढंग में काम करते रहे। स्वाभाविक ही, जब उनका व्यवहार अधिसंख्य विधायकों की बर्दाश्त से बाहर हो गया, तभी उन्होंने विद्रोह का स्वर बुलंद किया होगा। पार्टी के केंद्रीय कमान ने उनकी भावनाओं और फैसले का सम्मान किया, इससे निस्संदेह उनका कुछ मनोबल बढ़ा होगा।

मगर फिर भी कुछ सवाल बने हुए हैं। लोकतंत्र में तरीका तो यह है कि बहुमत प्राप्त पार्टी के विधायक अपने नेता के रूप में मुख्यमंत्री का चुनाव करेंगे। मगर होता यह है कि केंद्रीय कमान जिसे चाहता है, उसे अपने समीकरण के हिसाब से मुख्यमंत्री पद पर बिठा देता है। उसके चलते अक्सर असंतोष पैदा होता है, बेशक वह कई बार प्रत्यक्ष दिखाई न दे। यह बात केवल भाजपा पर लागू नहीं होती, तमाम राजनीतिक दल इसी परिपाटी पर चलते दीखते हैं।

मध्यप्रदेश और राजस्थान में नेतृत्व को लेकर कांग्रेस की रस्साकशी भी इसका उदाहरण है। कुछ जगहों पर भले कुछ विधायक और मंत्री अपने राजनीतिक भविष्य के भय से विरोध करने से बचते हैं, पर भीतर-भीतर इस कोशिश में जरूर लगे देखे जाते हैं कि किस तरह नेतृत्व को अस्थिर किया जाए। जाहिर है, इससे सरकार के कामकाज पर असर पड़ता है, उसे असंतुष्टों के खिलाफ अक्सर कठोर रुख अपनाते देखा जाता है। इसका सीधा असर कानून-व्यवस्था और विकास कार्यक्रमों और आखिरकार प्रदेश के आम लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसके असर से पार्टी भी नहीं बच पाती। अगर राजनीतिक दल इस तकाजे को समझें, तो शायद बीच में नेतृत्व बदलने की नौबत ही न आए।

फटी जींस बयान से विवादों में घिरे उत्तराखंड के सीएम तीरथ सिंह रावत ने मांगी माफी!

मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत पिछले कुछ दिनों से अपने विवादित बयानों के लिए इंटरनेट मीडिया में चर्चा में बने रहें। काफी आलोचना के बाद, मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने फटी जींस संबंधी विवादास्पद बयान पर अपनी सफाई दी है। तीरथ ने कहा कि उन्होंने संस्कार, संस्कृति व परिवेश के परिप्रेक्ष्य में यह बात कही थी। यदि उनकी इस बात से किसी को दुख पहुंचा है, तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं।

उन्होंने कहा कि वह एक सामान्य ग्रामीण परिवेश से आते हैं। जब वह स्कूल जाते थे और उनकी पैंट फट जाती थी, तो उन्हें यह डर लगता था कि स्कूल कैसे जाएंगे। गुरु का अनुशासन का डर रहता था कि वे दंड देंगे। वह अनुशासन व संस्कार था। उस समय पैंट पर पैबंद लगा कर जाते थे। आज के समय में युवा हजारों रुपये की जींस खरीद कर लाता है। उस पर भी कैंची मार देता है। उनके कहने का अर्थ यह था कि बच्चों में किताबी ज्ञान नहीं, संस्कार भी डालना चाहिए। उनके कहने का कोई गलत अर्थ नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी भी बेटी है। जो बात वह करेंगे, वह घर पर भी लागू होगी। घर में संस्कारयुक्त वातावरण बनाना चाहिए। उन्हें जींस से कोई एतराज नहीं। वह जो खाकी पहनते थे, वह भी जींस का रूप था। उन्होंने जो बात कही, वह फटी जींस के लिए कही थी।

फटी जीन्स पर टिप्पणी कर अपनी फजीहत करा चुके उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने दिया एक और विवादित बयान!

फटी जीन्स पर टिप्पणी कर अपनी फजीहत करा चुके उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कुछ दिन बाद एक और विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 200 साल तक भारत को गुलाम बनाकर रखा। कोरोना संकट से निपटने में केंद्र की मोदी सरकार की तारीफ करते हुए सीएम तीरथ सिंह रावत ने यह बात कही।

तीरथ सिंह रावत ने कहा कि कोविड महामारी से हमें 200 साल तक गुलाम बनाकर रखने वाला अमेरिका भी संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा, 'जहां अमेरिका के हम 200 वर्ष तक गुलाम थे, पूरे विश्व के अंदर उसका राज था, कभी उसका सूरज छिपता ही नहीं था लेकिन आज के समय में वो डोल गया, बोल गया, पौने तील लाख तक मृत्युदर चला गया।'

मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने बीते माह नैनीताल जिले के रामनगर में विश्व वानिकी कार्यक्रम में मंच से यह बात कही।

मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने यह भी कहा है कि जिसने 2 पैदा किए उसको 10 किलो राशन मिला, जिसने 20 पैदा किए उसको क्विंटल मिला, अब इसमें दोष किसका, 2 ही पैदा किए तो इसमें कुसूर किसका?

असल में, सीएम तीरथ सिंह रावत कोरोना संकट के समय राशन वितरण को लेकर बोल रहे थे। सीएम ने कहा कि जब समय था तो आपने 2 (बच्चे) ही पैदा किए। 20 क्यों नहीं पैदा किए?

तीरथ सिंह रावत ने कहा कि हर घर में पर यूनिट 5 किलो राशन दिया गया। 2 बच्चे थे तो 10 किलो, 10 बच्चे थे तो 50 किलो, 20 बच्चे थे तो क्विंटल राशन दिया। फिर भी जलन होने लगी कि 2 वालों को 10 किलो और 20 वालों को क्विंटल मिला। इसमें जलन कैसी? जब समय था तो आपने 2 ही पैदा किए 20 क्यों नहीं पैदा किए?

मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत इससे पहले भी महिलाओं की फटी जींस पर बोलकर विवादों में रह चुके हैं। उन्होंने कहा था कि आजकल महिलाएं फटी जींस पहनकर चल रही हैं, क्या ये सब सही है, ये कैसे संस्कार हैं? बच्चों में कैसे संस्कार आते हैं, ये अभिभावकों पर निर्भर करता है। हालांकि बाद में तीरथ सिंह रावत ने अपने बयान पर अफसोस जताया था।

दिल्ली नगर निगम की 5 सीटों पर भाजपा की पराजय!

दिल्ली नगर निगम की 5 सीटों के लिए हुए उपचुनाव में से भाजपा एक पर भी जीत ही नहीं सकी। उस का वोट शेयर 35-36 से ले कर 20-21 तक रह गया। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पाटी ने 4 सीटें जीतीं और 1 सीट कांग्रेस ने। 2019 के चुनावों में इन जगह पर हुए संसदीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ही बड़े जोरशोर से जीती थी।

अरविंद केजरीवाल बड़े जुझारू लगते हैं और उन के थोड़े से ही युवा समर्थक नई तरह की राजनीति कर रहे हैं जिस में न देश की विदेश नीति है, न शिक्षा नीति है, न धार्मिक नीति है, न जातीय नीति। वे सिर्फ राज्यों के प्रबंध की बात करते हैं। दिल्ली में उन के पास बहुत थोड़ी सी ताकत है क्योंकि कानून ही ऐसा है, असली बागडोर तो केंद्र सरकार के पास है।

फिर भी लोगों को उन पर भरोसा है और तभी लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद अरविंद केजरीवाल को विधानसभा चुनाव में भरपूर सफलता मिली, जो भाजपा को अखरती है। उस से पहले हुए नगर निगमों में मिली जीत से भाजपा को उम्मीद थी कि मंजे हुए, तिलकधारी, भगवा कपड़ों वालों को लोग भरभर कर वोट देंगे। पर ऐसा नहीं हुआ और विपक्ष की राजनीति को कुछ सांसें और मिल गईं।

असल में आज का युवा राजनीति से परेशान है। आज उसे भविष्य में सिर्फ अंधेरा दिख रहा है। नौकरियां हैं नहीं। पढ़ाई लिखाई चौपट है। जहां दुनियाभर में नए-नए गैजट आ रहे हैं, भारतीय युवा पुरानों से काम चला रहे हैं। जो पैसे वाले हैं, वे मौज करते नजर आ रहे हैं क्योंकि उन के मातापिता पिछली कमाई के बल पर युवाओं को चुप करा पा रहे हैं। लेकिन जिनके मातापिता के पास पैसा नहीं है, किराए के मकानों में आधीअधूरी नौकरियों में काम करते हैं, वे घुट रहे हैं।

उन्हें धर्म के सपने दिखाए जा रहे हैं। बहुतों को उम्मीद है कि उस में बड़ी सफलता ही उन की सफलता होगी पर बहुतों को साफ दिख रहा है कि यह धर्म की केतली तो अफीम का नशा उबाल रही है। इस में उन के लिए कुछ नहीं है। जबकि, उन की तमन्नाएं बहुत ऊंची हैं। अरविंद केजरीवाल जैसों की पार्टी थोड़ी सी उम्मीद बनाती है कि वह कुछ अलग करेगी।

राजनीति वैसे तो दलदल है पर यह दलदल जरूरी है क्योंकि यही तो सुरक्षाकवच है कि सरकारी तंत्र हम पर हावी न हो जाएं। चुनावों में हार का, चाहे बहुत छोटे चुनाव हों, बहुत फर्क पड़ता है। इस से लगता है कि अभी चौयस बाकी है। अगर राजनीतिक में चौयस न होगी तो जीवनसाथी चुनने की चौयस न होगी, मनमरजी के कपड़े पहनने की चौयस न होगी, मनचाहा चुनने की चौयस नहीं होगी, मनमाफिक खाने की चौयस नहीं होगी इत्यादि।

विपक्ष की छोटी-छोटी जीतें सत्तारूढ़ पार्टी को मजबूर करती हैं कि वह चार कदम पीछे हटे। ऐसे में वह अंधसमर्थकों का मुंह बंद करती है। चाहे मामला नगर निगमों के उपचुनावों का ही क्यों न हो, अगर सत्तारूढ़ पार्टी जीत जाती तो तूफान मच जाता। एक ही देश, एक ही संस्कृति, एक ही पार्टी, एक ही नेता और एक ही राज्य - गुजरात - का शोर और मच जाता।

आजाद भारत में आज़ादी नहीं!

निमांषी पांडेय

भारत में आज भी कमजोर वर्गों के कम पढ़े लिखे युवाओं के लिए धर्म का धंधा सब से बड़ा काम है जहां खुद की सोचने की आजादी का कोई काम नहीं होता। वॉशिंगटन स्थित प्रतिष्ठित थिंक टैंक फ्रीडम हाउस ने इस साल भारत का स्टेटस 'फ्री' से घटा कर 'पार्टली फ्री' कर दिया है। एक तरह से अभी भी उदारपना दिखाया गया है क्योंकि जो माहौल है उस में पार्टली फ्री भी केवल सरकार समर्थक हैं जिन्हें आजादी है कि वे सरकार के आलोचकों को देशद्रोही, अपराधी, खालिस्तानी, पाकिस्तानी, चीनी या कुछ और भी कहने की स्वतंत्रता रखते हैं।

यह संस्था पूर्ण स्वतंत्रता वाले देश को 100 अंक देती है। भारत के अंक 71 से गिर कर इस वर्ष 67 पर आ गए और उस का 211 देशों में से रैंक 83 से घट कर 88 पहुंच गया है। यह आज के युवाओं के लिए चौंकाने वाली बात नहीं रह गई है क्योंकि जो 20 और 30 वर्षों की उम्र के बीच हैं, उन्हें तो फ्री का अर्थ ही न के बराबर मालूम है। वैसे, फ्रीडम तो मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को भी नहीं है जिन्हें जरा सी सरकार की असहमति जताने पर दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल दिया जाता है। जहां धर्म का राज होता है वहां फ्रीडम का क्या काम है क्योंकि जो गुरु ने कह दिया, वही सत्य है और गली मुहल्ले के गुरु वही कह सकते हैं जो महागुरु की सोच है।

फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट में इंटरनेट फ्रीडम स्कोर के आधार पर भी भारत को आंशिक रूप से स्वतंत्र का दर्जा दिया गया है।

इस संस्था का काम ये तथ्य जुटाने हैं कि क्या लोग सरकार व सत्ताधारियों के खिलाफ अपने राजनीतिक विचार रखते हैं और उन्हें वे निर्भीकता से कह सकते हैं या नहीं। और क्या उन्हें पर्याप्त पब्लिसिटी मिलेगी? अगर वे ऐसा करेंगे तो क्या उन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी? आज सरकार के खिलाफ बोलने वाला तकरीबन हर नागरिक अदालत में घसीटा जा रहा है। कोई भी भगवा झंडाधारी एक जरा सी शिकायत पर एक विचारक, पत्रकार, छोटेमोटे राजनीतिक कार्यकर्ता, अपने गुट के प्रतिनिधि पर अभियोग का कोई आरोप लगा सकता है और भगवा सरकार का तंत्र सक्रिय हो जाता है और गिरफ्तारियां शुरू हो जाती हैं।अदालतों के पास रैडीमेड अरैस्ट वारंट हैं जो एकदम जारी कर दिए जाते हैं और ज़्यादा बोलने वाले को गब्बर सिंह की तरह मान कर फांसी पर चढ़ाने की तैयारी हो जाती है। युवा आज देश में अपने जीवनसाथी तक को ढूंढने के लिए फ्री नहीं है। वैलेंटाइन डे पर तुरंत गुंडों की फौज पुलिस की सहायता से एकदूसरे से बतिया रहे जोड़ों पर टूट पड़ती है। देश के धर्मग्रंथों में देवी देवताओं का बिना विवाह के प्रेम का कामुक वर्णन भरा पड़ा है। उन्हीं धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए महिलाओं को अक्सर सरेआम पीटपीट कर अधमरा कर दिया जाता है। लड़कियों का तो बलात्कार कर उन्हें जीवनभर की सजा दे दी जाती है। इस पर बोलने वालों को भी पकड़ लिया जाता है।

भारत के बारे में संस्थान ने कहा है कि भारत में एक बहुपार्टी लोकतंत्र है, बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी हिंदू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार ने भेदभाव वाली नीतियों और मुस्लिम आबादी को प्रभावित करने वाली बढ़ती हिंसा की अगुवाई की है।

रिपोर्ट में कहा गया है, "भारत का संविधान नागरिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है जिसमें अभिव्यक्ति की आज़ादी और धार्मिक आज़ादी शामिल हैं। लेकिन, पत्रकारों, ग़ैर-सरकारी संगठनों और सरकार की आलोचना करने वाले अन्य लोगों को परेशान किए जाने की घटनाओं में मोदी शासन में बहुत इज़ाफ़ा हुआ है।" यह संस्था अगर गलत है तो इसलिए कि उस ने भारत को 100 में से 67 का स्कोर दिया। हमें तो 30-40 का मिलना चाहिए क्योंकि यहां फ्रीडम केवल सरकार समर्थन की है।

कुल मिलकर कहें तो इस रिपोर्ट में कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज करना हमारे लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। जैसे पुलिस द्वारा दर्ज किए गए राजद्रोह के मामलों में तेज बढ़ोतरी, पत्रकारों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई में इजाफा, कोरोना जेहाद की बात कह कर एक धार्मिक समुदाय को महामारी का दोषी बताना इत्यादि। हमें समझना होगा कि इस रिपोर्ट पर या रिपोर्ट लाने वाली संस्था के इरादों पर संदेह करके हम ऐसे बेचैन कर देने वाले सवालों से आंखें नहीं मूंद सकते। बीजेपी के अनुसार, फ्रीडम हाउस रिपोर्ट 'भारत विरोधी एजेंडे का हिस्सा' है। जबकि पहली जरूरत इस बात की है कि बाहर या भीतर, कहीं से भी अगर कोई हमारी सरकार की खामियां गिनाता है तो उसे शत्रु मानते हुए उसपर चढ़ दौड़ने की प्रवृत्ति से बाज आया जाए। बेहतर हो कि सरकार हर संजीदा आलोचना का सम्मान करे और उसका संबंध अगर लोकतांत्रिक मूल्यों से हो तो उसे और ज्यादा गंभीरता से ले। हम अपने सिस्टम को अधिक से अधिक न्यायपूर्ण बनाए रखें तो ऐसी रिपोर्टों का कोई मतलब ही नहीं बचेगा।

Country	Total Score and Status		Political Rights	Civil Liberties
Haiti	37	Partly Free	15	22
Honduras	44	Partly Free	19	25
Hong Kong*	52	Partly Free	15	37
Hungary	69	Partly Free	26	43
Iceland	94	Free	37	57
India	67	Partly Free	34	33
Indian Kashmir*	27	Not Free	7	20
Indonesia	59	Partly Free	30	29
Iran	16	Not Free	6	10
Iraq	29	Not Free	16	13
Ireland	97	Free	39	58
Israel	76	Free	33	43
Italy	90	Free	36	54

सालों से पुलिसिया उत्पीड़न से आहत अमीरचंद पटेल ने लगाई योगी सरकार से गुहार, फर्जी मुकदमे हों ख़त्म!

वाराणसी के समाजसेवी अमीरचंद पटेल ने कई सालों से हो रही पुलिसिया कार्रवाई से परेशान होकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है।

प्रेस वार्ता के माध्यम से सामजसेवी अमीरचंद पटेल ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि सभी सरकारों में उनका शोषण किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ रसूखदारों के बहकावे में आकर स्थानीय पुलिस लगातार उनकी छवि को नकारात्मक दिखाने में लगी हुयी है। साथ ही बताया कि अब उनके साथ उनके भतीजे को भी फर्जी मुकदमे में फंसा कर फिर से उनके परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है।

हाल ही में वाराणसी के रोहनिया थाने में उनके भतीजे के खिलाफ फर्जी तरीके से जमीनी विवाद के तहत चालान कर दिया गया था। उसी के बाद, अमीरचंद ने पत्रकारों के माध्यम से प्रदेश के मुखिया से फर्जी मुकदमे ख़त्म करने की गुहार लगाई। इस प्रकरण पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस ने रसूखदारों के कहने पर ये कार्रवाई की जबकि इस विवाद को लेकर उनके भतीजे ने पहले ही उच्चाधिकारियों को सूचित किया था, मगर पुलिस अपनी हनक दिखाते हुए उच्चाधिकारियों को बिना सूचना दिए ही कार्रवाई पर उतर आई और उनके भतीजे का चालान कर डाला।

अपने जीवन में पुलिस की कार्रवाई से परेशान अमीरचंद पटेल में कहा कि पिछले कई वर्षों से मेरा और मेरे परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है और अब वो मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाना चाहते है कि अब मुख्यमंत्री उन्हें पुलिसिया अत्याचार से बचाने का काम करें।

उन्होंने बताया कि अपने जीवनकाल में उन्होंने किसी का कभी भी आहत नहीं किया और न ही किसी प्रकार की हानि पहुंचायी है लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया है।

अपने राजनीतिक करियर के बारे में बताते हुए अमीरचंद पटेल ने कहा कि शहर के कुछ रसूखदारों के कहने पर और अच्छी खासी रकम लेकर उनके राजनीति के करियर को समाप्त करने का काम किया गया। उन्होंने आगे बताया कि उन्हें फर्जी तरीके से हिस्ट्रीशीटर और गंभीर धाराओं में फंसाने का काम किया गया।

अंत में अमीरचंद पटेल ने योगी सरकार से फर्जी मुकदमे रोकने के लिए गुहार लगाई और स्थानीय प्रशासन से पूछा कि आखिर कब तक उनपर ये अत्याचार होते रहेंगे? क्योंकि अब ये पुलिस उनके परिवार के सदस्यों को भी फर्जी तरीके से फंसाने में लगी हुई है।

यूपी पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी, 2 मई को होगी वोटों की गिनती!

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनावों को लेकर चल रहा संशय अब समाप्त हो चुका है। ऐसे में 26 मार्च को यूपी पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गयी। इसके मुताबिक उत्तर प्रदेश में 15 अप्रैल से चार चरणों में चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत होने वाली है। आपको बता दें कि 15 अप्रैल को प्रथम चरण के चुनाव होंगे, इसी क्रम में 19 अप्रैल को दूसरा चरण, 26 अप्रैल को तीसरा चरण और 29 अप्रैल को चौथे और अंतिम चरण के चुनाव होंगे। इस बार जिला पंचायत, ग्राम प्रधानी, बीडीसी और वीडीसी का चुनाव एक साथ होगा। दो मई को सभी के नतीजे आएंगे।

जानकरी के लिए बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी आपत्तियों को निस्तारित कर अंतिम सूची जारी कर दी है। 3 अप्रैल से पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया की शुरुवात होगी। दूसरे चरण में 7-8 अप्रैल तक नामांकन किया जायेगा। वहीं 13-15 अप्रैल तक तीसरे चरण और 17-18 अप्रैल को चौथे और अंतिम चरण के नामांकन की प्रक्रिया सम्पन्न होंगे।

प्रत्येक चरण में मतदाताओं को चार अलग-अलग पर्चे दिए जाएंगे। पहला पर्चा जिला पंचायत का होगा, दूसरा पर्चा ब्लाक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी), तीसरा पर्चा ग्राम प्रधान और चौथा पर्चा ग्राम्य विकास परिषद (वीडीसी) का होगा। बता दें कि यूपी में कुल 12 करोड़ 39 लाख मतदाता इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यूपी में 58,189 ग्राम पंचायत और सात लाख 32,563 ग्राम पंचायत वार्ड हैं। इसके अलावा 826 क्षेत्र पंचायत और 75,855 क्षेत्र पंचायत वार्ड हैं। प्रदेश में 75 जिला पंचायत और 3,051 जिला पंचायत पद हैं।

किस जिलें में कब होंगे चुनाव?

15 अप्रैल से यूपी में प्रथम चरण के चुनाव की शुरुवात होगी। इनमें 18 जिलें है, जिनमें सहारनपुर, गाजियाबाद, रामपुर, बरेली, हाथरस, आगरा, कानपुर नगर, झांसी, महोबा, प्रयागराज, बरेली, रायबरेली, हरदोई, अयोध्या बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, जौनपुर और भदोही शामिल हैं।

दूसरे चरण के चुनाव 19 अप्रैल को 20 जिलों में होंगे जिनमें मुजफ्फरनगर, बागपत, गौतम बुद्ध नगर, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं, एटा, मैनपुरी, कन्नौज, इटावा, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, गोंडा, महाराजगंज, वाराणसी, आजमगढ़ शामिल हैं।

26 अप्रैल को तीसरे चरण में 20 जिलों में चुनाव होंगे जिनमें शामली, मेरठ, मुरादाबाद, पीलीभीत, कासगंज, फिरोजाबाद, औरैया, कानपुर देहात, जालौन, हमीरपुर, फतेहपुर, उन्नाव, अमेठी, बाराबंकी, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, चंदौली, मिर्जापुर, बलिया शामिल हैं।

29 अप्रैल को चौथे और अंतिम चरण में 17 जिलों में चुनाव सम्पन्न होंगे जिनमें बुलंदशहर, हापुड़, संभल, शाहजहांपुर, अलीगढ़, मथुरा, फर्रुखाबाद, बांदा, कौशांबी, सीतापुर, अंबेडकर नगर, बहराइच, बस्ती, कुशीनगर, गाजीपुर, सोनभद्र, मऊ शामिल हैं।

इन सीटों पर नहीं होगा चुनाव -

गोंडा जिले में नौ, सीतापुर जिले में तीन और बहराइच जिले में एक ग्राम पंचायत का कार्यकाल पूरा न होने की वजह से यहां पर मतदान नहीं होगा। उधर, बुलंदशहर में पांच ग्राम पंचायतों का विलय औद्योगिक क्षेत्र में होने के कारण वहां भी मतदान नहीं होगा।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का पूर्वांचल दौरा!

वाराणसी घाटों और मंदिरों की नगरी कहा जाने वाला शहर है। वाराणसी को सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जा सकता है। यहाँ की संस्कृति और सभ्यता को देखने के लिए अक्सर दूर-दूर से लोग आते हैं। काशी नाम से प्रसिद्ध वाराणसी को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के रूप में भी लोग जानने लगे हैं। प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां आना स्वाभाविक है और उनका आगमन भी वाराणसी में कई बार हो चुका है। साथ ही वाराणसी के घाटों और मंदिरों के दर्शन के लिए वाराणसी में कई बड़ी हस्तियां आती रहती हैं।

मगर 13 मार्च 2021 वाराणसी के लिए ख़ास रहा क्यों कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में देश के प्रथम नागरिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने परिवार के साथ मौजूद थें। बनारस में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर लोगो के बीच काफी उत्साह देखा गया, साथ ही पुरे शहर में चाक चौबंद सिक्योरिटी की व्यवस्था भी की गयी थी। 13 मार्च को राष्ट्रपति अपनी पत्नी और बेटी के साथ बनारस के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर पहुंचे जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अनुप्रिया पटेल द्वारा उनका स्वागत किया गया। एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधा बरेका के गेस्ट हाउस आराम करने को निकल गये। गेस्ट हाउस में आराम के बाद शुरू हुआ राष्ट्रपति का तीन दिन का दौरा।

बाबा विश्वनाथ का दर्शन-

काशी को बाबा विश्वनाथ की ही नगरी कहा जाता है। काशी के बाबा विश्वनाथ के दर्शन किये बिना बनारस आगमन अधूरा माना जाता है। इसी क्रम में देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी 13 मार्च को बाबा के मंदिर में मत्था टेकने पहुंचें। इस दौरान योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ रहें। दर्शन के बाद उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निरक्षण भी किया। बाबा के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राष्ट्रपति को शॉल, शंख, और रुद्राक्ष की माला उपहार रूप में दी गयी।

गंगा आरती-

भोलेनाथ की जटाओं से निकली मां गंगा का काशी में महत्व न हो ऐसा हो ही नहीं सकता। शायद इसीलिए काशी घाटों की नगरी कहलाती है। मस्तमौला काशी वासी घाटों के किनारे अपनी शाम व्यतीत करना पसंद करते हैं। अब राष्ट्रपति आगमन इसे और ख़ास बनाता है। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद राष्ट्रपति अपने परिवार के साथ दशाश्वमेध घाट पर शाम की गंगा आरती में भी शामिल हुए जहाँ धोती कुरता में भ्रह्माणो और 18 कन्याओं ने पारम्परिक परिधान मंत्रोच्चारण के साथ दीप जलाकर राष्ट्रपति का का स्वागत किया। राष्ट्रपति ने आरती और घाट का दृश्य उसी स्थान से देखा जहाँ से अक्सर देश के प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी आरती में शामिल होते हैं।

मिर्ज़ापुर का दौरा-

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को मां विंध्यवासिनी का विधिवत दर्शन पूजन किया। उनके साथ देश की प्रथम महिला, उनकी धर्मपत्नी भी मौजूद रहीं। निर्धारित समय से लगभग एक घंटा विलंब से पहुंचे राष्ट्रपति का अष्टभुजा स्थित हेलीपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ, सांसद अनुप्रिया पटेल व सभी पांचों विधायक सहित मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने स्वागत किया।

स्वागत के बाद राष्ट्रपति अष्टभुजा स्थित राजकीय अतिथि गृह पहुंचे। वहां पर उन्होंने थोड़ा विश्राम किया और हल्का भोजन किया। इसके बाद वे मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए रवाना हो गए। मां विंध्यवासिनी दरबार में उनका जोरदार स्वागत हुआ। इस दौरान राष्ट्रपति ने विंध्य कॉरिडोर के कार्य को भी देखा। स्वयं मुख्यमंत्री कार्य योजना समझाते नजर आए। विधिवत दर्शन के बाद वह हेलीकॉप्टर से वाराणसी के लिए रवाना हो गए। प्रस्थान के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन की ओर से स्मृति चिह्न के रूप में राष्ट्रपति को भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। राष्ट्रपति मिर्जापुर में दो घंटे 45 मिनट रहें।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोनभद्र के बभनी स्थित सेवा कुंज आश्रम में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने 250 छात्रों के लिए बने बिरसा मुंडा बनवासी विद्यापीठ का लोकार्पण किया। साथ ही छात्रावास के लिए भूमि पूजन भी किया। उन्होंने सेवा कुंज आश्रम में संबोधित करते हुए कहा कि आज मुझे भगवान बिरसा मुंडा जी का स्मरण हो रहा है जिन्होंने अंग्रेजों के शोषण से वन संपदा और वनवासी समुदाय की संस्कृति की रक्षा के लिए अनवरत युद्ध किया और शहीद हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन केवल जनजातीय समुदायों के लिए ही नहीं बल्कि सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और आदर्श का स्रोत रहा है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा, "मुझे इस बात का संतोष है कि मेरी सांसद निधि की राशि का उपयोग आपके संस्थान व आश्रम के शिक्षा संबंधी प्रकल्प में हुआ है। किसी भी धनराशि का इससे बेहतर उपयोग नहीं हो सकता है। मैं आभारी हूं कि आप सबने मुझे योगदान करने का अवसर दिया और कल्याणकारी प्रकल्पों से जोड़े रखा।" उन्होंने आगे कहा कि वनवासी समुदाय के विकास के बिना देश के समग्र विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। देश भर के हमारे आदिवासी बेटे-बेटियां खेल-कूद, कला, और टेक्नॉलॉजी सहित अनेक क्षेत्रों में अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

चाक चौबंद व्यवस्था-

राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के आगमन को देखते हुए पूरे शहर में सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गयी थी। वीआईपी ड्यूटी में 7 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपति के दौरे के दिशा निर्देश के अनुसार बरेका, ताज गंगेज और गंगा घाट पर तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गयी थी। विभिन सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी सादे कपड़ो में तैनात थे। पुलिस के द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही थी। राष्ट्रपति की सुरक्षा और सुविधा का वाराणसी में पूरा ध्यान रखा गया।

अभिषेक की 'दी बिग बुल' का ट्रेलर देखकर जनता 'स्कैम 1992' की चर्चा करने लगी!

फ़िल्म 'द बिग बुल' का ट्रेलर आ गया है। अभिषेक बच्चन इस बार 'बिग बुल' के अवतार में स्टॉक मार्केट में स्कैम करके पैसा बनाना सिखा रहे हैं। हर्षद मेहता की स्टोरी से प्रेरित लगने वाली 'द बिग बुल' फिल्म में अभिषेक के अलावा इलियाना डीक्रूज़, सौरभ शुक्ला और सोहम शाह नज़र आएंगे। फिल्म से अजय देवगन का भी रिश्ता है, उन्होंने इसे प्रोड्यूस किया है और यह फिल्म 8 अप्रैल 2021 को डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

अजय देवगन के साथ शाहरुख ने किया विमल का एड, फैंस नाराज़!

अब अजय देवगन के साथ शाहरुख खान भी विमल पान मसाला का विज्ञापन कर रहे हैं। दो उंगली वाला 'विमल सलाम' करते हुए दोनों साथ में 'ज़ुबां केसरी' बोल रहे हैं। इसी बात पर फैंस का जी धक्क हुआ पड़ा है। लोग इस विज्ञापन पर धड़ाधड़ मीम्स शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "यार शाहरुख, भले ही और दो साल कोई फ़िल्म न करो, पर ये न करो यार! ऐसे दिखने से तो न दिखना बेहतर है।"

हालांकि एक मामले में तो ये गज़ब ही हो गया। अजय-शाहरुख को एक साथ पर्दे पर लाने की जद्दोजहद एक से एक दिग्गज प्रोड्यूसर-डायरेक्टर कर चुके हैं। लेकिन 'कथित तौर पर' दोनों एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करना ज़्यादा पसंद नहीं करते। शाहरुख, करण जौहर कैंप का अभिन्न हिस्सा हैं और जौहर कैंप-देवगन के बीच ऐ दिल है मुश्किल और शिवाय की रिलीज़ के वक्त की तनातनी तो किसी से छिपी भी नहीं रही। ऐसे में जो काम बड़े-बड़े प्रोड्यूसर-डायरेक्टर नहीं कर पाए, वो पान-मसाले के विज्ञापन ने कर दिया।

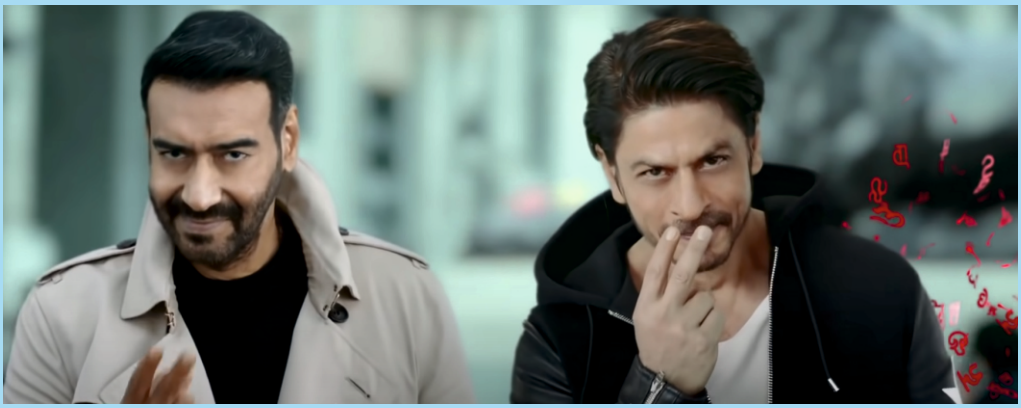

सोनू सूद को भारी पड़ा महाशिवरात्रि का ट्वीट, भड़के शिवभक्तों ने पूछा आखिर तुम होते कौन हो सोनू सूद?

बॉलीवुड अभिनेता और मसीहा बनकर उभरे अभिनेता सोनू सूद ने महाशिवरात्रि पर एक ट्वीट किया जो लोगों को पसंद नहीं आया। इसके बाद से ट्विटर पर #WhoTheHellAreUSonuSood (आखिर तुम होते कौन हो सोनू सूद) हैशटैग ट्रेंड होने लगा। दरअसल सोनू सूद ने ट्वीट में लिखा, "शिव भगवान की फोटो फॉरवर्ड करके नहीं, किसी की मदद करके महाशिवरात्रि मनाएं।" हालांकि सोशल मीडिया यूजर्स को सोनू की यह पोस्ट पसंद नहीं आई और उन्हें भला बुरा कहा जाने लगा।

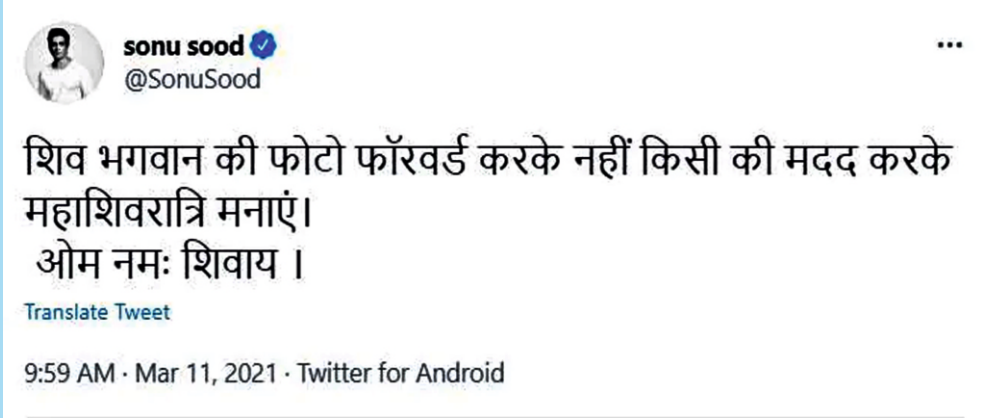

उनके इस ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए हैं। एक यूजर ने लिखा है, ऐसी अपील अपनी फिल्मों की रिलीज के पहले भी किया कीजिए; मेरी फिल्मों के टिकट पर पैसा बर्बाद करके नहीं उससे किसी गरीब को रोटी खिलाकर पुण्य कमाइए।'

हालांकि, बहुत से ऐसे लोग भी थे जिन्होंने सोनू का समर्थन किया है और कहा है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया। उन्होंने ट्रोलर्स को याद दिलाया कि किस तरह एक्टर इतने महीनों से लगातार लोगों की मदद करते आए हैं और अभी भी वही कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने 'तैमूर के जीजा' को रीट्वीट करने से पहले नाम तक नहीं पढ़ा था?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो रिट्वीट किया है। वीडियो में दो लोग गाना गा रहे हैं। गाना तो है नर्मदा नदी से जुड़े गाने 'मेरा भोला है भंडारी' का एक परिष्कृत और बदला हुआ रूप। लेकिन मज़ेदार है वो अकाउंट, जिसका वीडियो नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। अकाउंट का नाम है 'तैमूर का जीजा'। तैमूर कौन? ट्विटर पर हालिया रेफरेंसेज से चर्चित सैफ़ अली खान और करीना कपूर का बेटा।

खैर, इस ट्विटर अकाउंट पर यूज़रनेम है बृजेश चौधरी। बस मोदी ने रीट्वीट क्या किया, बवाल मच गया। ट्विटर टूट गया। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या नरेंद्र मोदी ने रीट्वीट करने से पहले यूज़रनेम नहीं पढ़ा था? कुछ दावा कर रहे हैं कि मोदी से भूल-चूक हो गयी होगी।

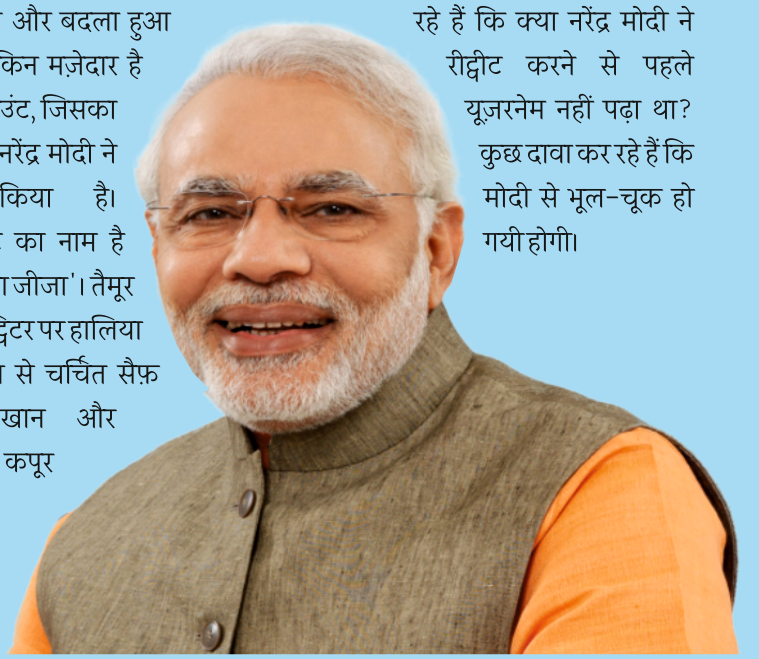

अंकिता का खुलासा, रोल के लिए प्रोड्यूसर ने रखी थी साथ सोने की शर्त!

अंकिता लोखंडे टेलीविजन और फिल्मी दुनिया की जानी-मानी अभिनेत्री में से एक हैं। उनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्होंने अपने किरदार से सभी का दिल जीता है। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कई खुलासे किए जिसे जान आप भी रह जाएंगे हैरान।

इंटरव्यू के दौरान अंकिता ने खुलासा किया कि एक रोल देने के लिए फिल्म प्रोड्यूसर ने उनके साथ सोने की बात की थी। अंकिता ने बताया, 'मुझे लगता है मैं काफी स्ट्रांग हूं। मैं किसी को भी इस तरह अपनी तरफ देखने भी नहीं देती। लेकिन हां मैंने अपनी लाइफ में एक या दो बार इस चीज का सामना किया है।'

एक्ट्रेस ने बताया, 'बहुत पहले मैं जब छोटी थी तो मुझे साउथ फिल्म के लिए बुलाया गया था। वहां एक आदमी ने मुझे कमरे में बुलाया और कहा कि अंकिता हम आपसे कुछ पूछना चाहते हैं। मेरे पूछने पर वह बोले, 'आपको कॉम्प्रोमाइज करना पड़ेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस समय 19 से 20 साल की थी। उन्होंने जिस कमरे में मुझे बुलाया था वहां कोई नहीं था। मैं अकेली थी, तो इसको देख मैंने स्मार्ट तरीके से पूछा, 'बताइए किस तरह का कॉम्प्रोमाइज करना होगा? क्या मुझे डिनर-पार्टी के लिए जाना होगा? फिल्म के प्रोड्यूसर क्या चाहते हैं?

अंकिता ने आगे बताया, "मैंने इतना सोचा ही नहीं था, लेकिन जब उन्होंने बोला कि मुझे प्रोड्यूसर के साथ सोना पड़ेगा, मैंने उनकी बैंड बजा दी थी। फिर मैंने उन्हें कहा, "आपके प्रोड्यूसर को सोने के लिए लड़की चाहिए न कि कोई टैलेंटेड एक्ट्रेस।'

फिर जैसे ही मैं वहां से निकल रही थी उन्होंने मुझे सॉरी बोला और कहा कि मैं आपको अपनी फिल्म में लेने की पूरी तरह से कोशिश करूंगा। जिसके बाद मैंने मना कर दिया और कहा कि अब अगर आप चाहोगे भी तो भी मैं इस फिल्म में काम नहीं करूंगी।

अंकिता के खुलासो का किस्सा यही नहीं रुका। अंकिता ने बताया, "जब टीवी इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद मैं फिल्मों में दोबारा आई तो एक बार फिर से मुझे कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा। तब मेरा सामना एक बड़े एक्टर से हुआ। जब मैं उनसे मिली और हाथ मिलाया तो मैं काफी अन्कम्फ़र्टबल हो गई थी और तभी मैंने अपना हाथ खींच लिया था।

उन्होंने कहा, "मैं किसी एक्टर का नाम नहीं लेना चाहती, लेकिन उनका हाथ पकड़ते ही मैंने अजीब सा महसूस किया। इंडस्ट्री में हर कोई उस बड़े एक्टर को जानता है। मुझे जैसे ही वो वाइब्स एक्टर से मिली तब मैं समझ गई कि अब मेरा यहां कुछ नहीं होगा।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अंकिता लोखंडे ने पवित्र रिश्ता के जरिए टीवी की दुनिया में कदम रखा था। यह शो 2009 से लेकर 2014 तक चला था। इस सीरियल में अंकिता ने सुशांत सिंह राजपूत के साथ अहम किरदार निभाया था। अंकिता लोखंडे ने बॉलीवुड में फिल्म मणिकर्णिका और बागी 3 में भी अहम भूमिका निभाई है।

वेबसाइट और एमबीबीएस के बीच डॉ राजेश की जिंदगी, सिर्फ ब्लॉगिंग से कमाते हैं 1 लाख रुपया महीना!

ब्लॉग एक तरह के ऑनलाइन जर्नल या सूचनात्मक वेबसाइट होते हैं, जो विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को प्रदर्शित करते हैं। यह इंटरनेट पर एक ऐसा माध्यम होता है जहां एक लेखक या लेखकों का एक समूह एक व्यक्तिगत विषय पर अपने विचारों को साझा करता है। ब्लॉग को आम भाषा में लोग वेबसाइट ही समझते और कहते हैं। इन ब्लॉगों पर अपने विचार साझा करने वाले लोगों को ब्लोग्गेर्स कहा जाता है।

इंटरनेट पर पैसे कमाने के सबसे सफल तरीकों में ब्लॉग्गिंग को नंबर 1 का दर्ज़ा प्राप्त है। कहा जाता है कि ब्लॉग्गिंग में इतना पैसा होता है कि एक सफल ब्लॉगर को अन्यत्र कुछ और काम करने की ज़रूरत नही होती है। इस महीने, हमने ब्लॉग्गिंग से जुड़े तमाम सवालों पर डॉ राजेश पटेल (सौ से ज़्यादा ब्लॉग और वेबसाइटस के मालिक) से ख़ास बातचीत की, बातचीत के प्रमुख अंश -

प्रश्न - नमस्कार, राजेश जी! सबसे पहले आप हमारे पाठकों को अपने और अपने ब्लॉग्गिंग करियर के बारे में कुछ बताएं!

उत्तर - नमस्ते, मेरा नाम डॉ राजेश पटेल है और मैं 2008 से एक ब्लॉगर हूँ। जिन्हे नहीं पता, उन्हें बता दूँ कि ब्लॉगर वो होते हैं, जो डिजिटल माध्यम के द्वारा अपनी बात लिख के या वीडियो के द्वारा कहते हैं। 2008 से 2021 तक के मेरे ब्लॉग्गिंग करियर में काफी उतार-चढ़ाव आयें, शुरुआती दिनों में मात्र 380 रुपए से लेकर आज लाख रुपया महीने का वक़्त देखा है। शुरुआत में कई ब्लोग्गेर्स को फॉलो करता था, इसलिए कभी ओरिजिनल कंटेंट के बारे में सोच ही नहीं। फिर धीरे-धीरे अपनी गलतियों से सीखता गया और आज अपनी एक छोटी से टीम की मदद से 80+ ब्लॉग्स को मैनेज कर ले रहा हूँ।

प्रश्न - आपने ब्लॉग्गिंग कैसे शुरू किया? अपनी शुरुआती दिनों की कहानी बताइए!

उत्तर - 2008 के दौरान इंडिया में काफी कम ब्लॉगर्स थे जो कि ब्लॉग्गिंग से इनकम जनरेट कर रहे थे, उनमें से कुछ ब्लॉग्स को मैं फॉलो करता था, और उन्ही के जैसे बनना चाहता था। धीरे-धीरे सीएसएस, एचटीएमएल को एडिट करते-करते आज मैं खुद का वर्डप्रेस थीम या एचटीएमएल थीम आसानी से बना लेता हूँ। ब्लॉग डेवलपमेंट के अलावा मुझे टेक्नोलॉजी में काफी इंट्रेस्ट था, इसलिए टेक्नोलॉजी के बारे में आसानी से लिख लेता था।

प्रश्न - आपने ब्लॉग्गिंग से इनकम करना कब शुरू किया?

उत्तर - मैंने 2008 में ब्लॉग्गिंग से अपना फर्स्ट इनकम जनरेट किया, जो मात्र 380 रुपया था।

प्रश्न - आप अपना एजुकेशनल बैकग्राउंड बताएं!

उत्तर - 2017 में मैंने अपना एमबीबीएस कम्पलीट किया, और 1 साल तक गवरन्मेंट हॉस्पिटल में जूनियर रेजिडेंट के तौर पे काम कर चूका हूँ।

प्रश्न – एक डॉक्टर होने के साथ-साथ आप ब्लॉग्गिंग करते हैं और आपके ब्लॉग्स के कंटेंट्स मेडिकल से अलग होते हैं, आपको दिक्कत नही होती? आप ब्लॉग्स के लिए स्ट्रेटेजी कैसे बनाते हैं?

उत्तर – मुझे ब्लॉग्गिंग से कभी कोई दिक्कत नहीं हुई, बल्कि इसने मुझे स्ट्रांग बनाया है। मेडिकल ज्वाइन करने से पहले में टेक्नोलॉजी पे ब्लॉग लिखता था, जो की काफी अच्छा एक्सपीरियंस था। मेडिकल ज्वाइन करने के बाद ब्लॉग्स को मैनेज करने में काफी मुश्किलें आईं, एक वक़्त ऐसा भी आया जब 2010 में मैंने ब्लॉग्स लिखना बंद कर दिया था। 2012 में जेब खर्च के लिए ब्लॉग्गिंग फिर से स्टार्ट किया, और तभी मेरा पहला ब्लॉग फेल हो गया (उस वक़्त में नोकिआ मोबाइल्स के बारे में आर्टिकल लिखता था) और मात्र 4-5 ब्लॉग्स लिखने के बाद फिर से ब्लॉग बंद करना पड़ा। फिर साल 2013 में 11 अगस्त को मैंने फिर से एक नई कोशिश की और उसी कोशिश से अब तक सफल हूँ। बीते 5-6 सालों में मैंने कई टॉपिक्स को कवर करने की कोशिश किया और सभी में लगभग सक्सेसफुल रहा।

प्रश्न – एक से ज़्यादा ब्लॉग बनाने के पीछे की क्या स्ट्रेटेजी है? क्या इससे इनकम ज़्यादा होता है?

उत्तर – इसके पीछे की स्ट्रेटेजी यही है कि कुछ एक्स्ट्रा टॉपिक्स (सब्जेक्ट) को कवर किया जा सके। इससे फ़ायदा यही होता है कि आपको अपने मुख्य ब्लॉग पे टॉपिक से हट के कंटेंट बनाना नहीं पड़ता। अगर ब्लॉग एक टॉपिक पे फोकस होगा तो वो आसानी से गूगल में रैंक कर सकता हैं, और रीडर्स को कंटेंट सर्च करने में भी आसानी होती है। और जितना आपके पास ओरिजिनल कंटेंट होगा, उतने ही रीडर्स आपकी ब्लॉग को पढ़ेंगे और आप उतना ही इनकम जनरेट कर सकेंगे।

प्रश्न – ब्लॉग्गिंग में सारा इनकम गूगल के विज्ञापनों से ही होता है, या फिर किसी और तरीके से भी ब्लॉग से पैसे कमायें जा सकते हैं?

उत्तर – ब्लॉग्गिंग में आप गूगल एडसेंस, मीडिया।नेट या बाकि पे-पर-क्लिक एड्स के जरिये आप अपने ब्लॉग को मोनेटाइज कर सकते हैं। इसके अलावा आप एफिलिएट-मार्केटिंग, पेड आर्टिकल इत्यादि के जरिये भी पैसे कमा सकते हैं।

प्रश्न – आप हर महीने कितना इनकम कर लेते हैं?

उत्तर – मैं हर महीने में औसत 1 लाख रुपया तक अपने ब्लॉग्स से कमा लेता हूँ। इसके अलावा मैं न्यू ब्लोग्गेर्स को उनके वेबसाइट सेटअप करने में हेल्प करता हूँ, और उसके लगभग 5-7 हज़ार रुपया पर क्लाइंट चार्ज करता हूँ।

प्रश्न – आज के तारीख में इंटरनेट पर बहुत से ब्लॉगर्स मौजूद हैं, लेकिन जब आपने ब्लॉग्गिंग शुरू किया तब भारत में बहुत कम लोग ब्लॉग्गिंग के बारे में जानते थें, उस दौरान आपको किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा?

उत्तर – जब मैंने ब्लॉग्गिंग स्टार्ट किया तो इंडिया में काफी कम ब्लोग्गेर्स थे। उस वक़्त फॉरेन के ब्लोग्गेर्स का बोलबाला था, जो की अपने ब्लॉग पे काफी अच्छा काम कर रहे थे। तब से अब तक कुछ ब्लोग्गेर्स को मैं आज भी फॉलो करता हु। शुरुआत के दिनों में वेबसाइट बनाना और उसे मेन्टेन करना एक चैलेंज से कम नहीं था।

प्रश्न – आज के नये ब्लॉगर्स थोड़े ही दिनों में इनकम न होने पर घबरा जाते हैं, आप उनको क्या कहना चाहेंगे?

उत्तर – जब मैंने 2013 में वापस ब्लॉग्गिंग दोबारा स्टार्ट किया था तो मिझे 8 महीने तक एक रुपया भी इनकम जनरेट नहीं हुआ था (बेशक उस दौरान मैंने सिर्फ और सिर्फ कंटेंट पर फोकस किया था, न की इनकम पे)। जो नए ब्लोगर्स है, उनसे मैं बस इतना ही कहूंगा कि आप अपने ब्लॉग के सब्जक्ट पे फोकस रहिये और जितना हो सके उतना ओरिजिनल कंटेंट पर ज़ोर दीजिये, कॉपी-पेस्ट से बचिए और पेशेंस रखीये। अगर आपका कंटेंट ओरिजिनल है और लोगो के लिए हेल्पफुल हैं तो आपके ब्लॉग पे लोग ज़रूर आएंगे। जब आपके वेबसाइट पर एक सस्टेन ट्रैफिक आने लगे तो आप अपने ब्लॉग को गूगल एडसेंस के लिए अप्लाई करिये। आज के वक़्त में नए ब्लोगेर्स ट्रैफिक की परवाह किये बिना ही एडसेंस के लिए अप्लाई कर देते हैं, जो की गलत है।

प्रश्न – क्या ब्लॉग्गिंग को फुल टाइम प्रोफेशन बनाया जा सकता है?

उत्तर – जी हाँ, ब्लॉग्गिंग को आज के वक़्त में फुल टाइम प्रोफेशन बनाया जा सकता है। मैं ये इस लिए नहीं बोल रहा हूँ क्योंकि मैंने इस फेल्ड में सक्सेस हासिल किया है, मैं ये इस लिए बोल रहा हूँ क्योंकि सचमुच ब्लॉग्गिंग का फ्यूचर अच्छा है। इस फील्ड में आप कम लागत में लाखो कमा सकते हैं। ज़रूरी नहीं की आप अंग्रेजी बोलने में परफेक्ट हो, एक ब्लॉगर किसी भी लैंग्वेज में ब्लॉग बना सकता है, और अपनी बात ब्लॉग के जरिये कह सकता है।

इस अंक में बस इतना ही, हम आशा करते हैं कि राजेश जी के साथ ये ख़ास बात चीत आपको पसंद आई होगी, अपनी राय व सुझाव हम तक ई-मेल के माध्यम से ज़रूर पहुंचाएं!

डॉ राजेश पटेल
(एमबीबीएस – शारदा यूनिवर्सिटी)
rahul964@gmail.com

आईपीएल 2021 का पूरा शेड्यूल जारी, 9 अप्रैल को शुरुआत और 30 मई को होगा फाइनल!

आईपीएल 2021 के कार्यक्रम का रविवार को बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया।

9 अप्रैल को चेन्नई में गत विजेता मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच मुकाबले के साथ टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस साल देश के छह शहरों में नौ अप्रैल से 30 मई के बीच किया जाएगा, जिसमें कोई भी टीम अपने घरेलू मैदान पर मैच नहीं खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को यह घोषणा की। टूर्नामेंट का फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने आईपीएल 14 का जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार मैचों का आयोजन अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में होगा। पहला मैच चेन्नई में नौ अप्रैल को मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच खेला जाएगा जबकि फाइनल 30 मई को के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

MATCH DAY	MATCH NO.	DAY	DATE	TIME	VENUE	HOME	AWAY
1	1	FRI	9-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	MUMBAI INDIANS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
2	2	SAT	10-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	CHENNAI SUPER KINGS	DELHI CAPITALS
3	3	SUN	11-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	SUNRISERS HYDERABAD	KOLKATA KNIGHT RIDERS
4	4	MON	12-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	RAJASTHAN ROYALS	PUNJAB KINGS
5	5	TUE	13-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	KOLKATA KNIGHT RIDERS	MUMBAI INDIANS
6	6	WED	14-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	SUNRISERS HYDERABAD	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
7	7	THU	15-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	RAJASTHAN ROYALS	DELHI CAPITALS
8	8	FRI	16-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	PUNJAB KINGS	CHENNAI SUPER KINGS
9	9	SAT	17-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	MUMBAI INDIANS	SUNRISERS HYDERABAD
10	10	SUN	18-APR-21	03:30 PM	CHENNAI	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	KOLKATA KNIGHT RIDERS
10	11	SUN	18-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	DELHI CAPITALS	PUNJAB KINGS
11	12	MON	19-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	CHENNAI SUPER KINGS	RAJASTHAN ROYALS
12	13	TUE	20-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	DELHI CAPITALS	MUMBAI INDIANS
13	14	WED	21-APR-21	03:30 PM	CHENNAI	PUNJAB KINGS	SUNRISERS HYDERABAD
13	15	WED	21-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	KOLKATA KNIGHT RIDERS	CHENNAI SUPER KINGS
14	16	THU	22-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	RAJASTHAN ROYALS
15	17	FRI	23-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	PUNJAB KINGS	MUMBAI INDIANS
16	18	SAT	24-APR-21	07:30 PM	MUMBAI	RAJASTHAN ROYALS	KOLKATA KNIGHT RIDERS
17	19	SUN	25-APR-21	03:30 PM	MUMBAI	CHENNAI SUPER KINGS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
17	20	SUN	25-APR-21	07:30 PM	CHENNAI	SUNRISERS HYDERABAD	DELHI CAPITALS
18	21	MON	26-APR-21	07:30 PM	AHMEDABAD	PUNJAB KINGS	KOLKATA KNIGHT RIDERS
19	22	TUE	27-APR-21	07:30 PM	AHMEDABAD	DELHI CAPITALS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
20	23	WED	28-APR-21	07:30 PM	DELHI	CHENNAI SUPER KINGS	SUNRISERS HYDERABAD
21	24	THU	29-APR-21	03:30 PM	DELHI	MUMBAI INDIANS	RAJASTHAN ROYALS
21	25	THU	29-APR-21	07:30 PM	AHMEDABAD	DELHI CAPITALS	KOLKATA KNIGHT RIDERS
22	26	FRI	30-APR-21	07:30 PM	AHMEDABAD	PUNJAB KINGS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
23	27	SAT	1-MAY-21	07:30 PM	DELHI	MUMBAI INDIANS	CHENNAI SUPER KINGS
24	28	SUN	2-MAY-21	03:30 PM	DELHI	RAJASTHAN ROYALS	SUNRISERS HYDERABAD
24	29	SUN	2-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	PUNJAB KINGS	DELHI CAPITALS
25	30	MON	3-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	KOLKATA KNIGHT RIDERS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
26	31	TUE	4-MAY-21	07:30 PM	DELHI	SUNRISERS HYDERABAD	MUMBAI INDIANS
27	32	WED	5-MAY-21	07:30 PM	DELHI	RAJASTHAN ROYALS	CHENNAI SUPER KINGS
28	33	THU	6-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	PUNJAB KINGS

MATCH DAY	MATCH NO.	DAY	DATE	TIME	VENUE	HOME	AWAY
29	34	FRI	7-MAY-21	07:30 PM	DELHI	SUNRISERS HYDERABAD	CHENNAI SUPER KINGS
30	35	SAT	8-MAY-21	03:30 PM	AHMEDABAD	KOLKATA KNIGHT RIDERS	DELHI CAPITALS
30	36	SAT	8-MAY-21	07:30 PM	DELHI	RAJASTHAN ROYALS	MUMBAI INDIANS
31	37	SUN	9-MAY-21	03:30 PM	BANGALORE	CHENNAI SUPER KINGS	PUNJAB KINGS
31	38	SUN	9-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	SUNRISERS HYDERABAD
32	39	MON	10-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	MUMBAI INDIANS	KOLKATA KNIGHT RIDERS
33	40	TUE	11-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	DELHI CAPITALS	RAJASTHAN ROYALS
34	41	WED	12-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	CHENNAI SUPER KINGS	KOLKATA KNIGHT RIDERS
35	42	THU	13-MAY-21	03:30 PM	BANGALORE	MUMBAI INDIANS	PUNJAB KINGS
35	43	THU	13-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	SUNRIERS HYDERABAD	RAJASTHAN ROYALS
36	44	FRI	14-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	DELHI CAPITALS
37	45	SAT	15-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	KOLKATA KNIGHT RIDERS	PUNJAB KINGS
38	46	SUN	16-MAY-21	03:30 PM	KOLKATA	RAJASTHAN ROYALS	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE
38	47	SUN	16-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	CHENNAI SUPER KINGS	MUMBAI INDIANS
39	48	MON	17-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	DELHI CAPITALS	SUNRISERS HYDERABAD
40	49	TUE	18-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	KOLKATA KNIGHT RIDERS	RAJASTHAN ROYALS
41	50	WED	19-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	SUNRISERS HYDERABAD	PUNJAB KINGS
42	51	THU	20-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	MUMBAI INDIANS
43	52	FRI	21-MAY-21	03:30 PM	BANGALORE	KOLKATA KNIGHT RIDERS	SUNRISERS HYDERABAD
43	53	FRI	21-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	DELHI CAPITALS	CHENNAI SUPER KINGS
44	54	SAT	22-MAY-21	07:30 PM	BANGALORE	PUNJAB KINGS	RAJASTHAN ROYALS
45	55	SUN	23-MAY-21	03:30 PM	KOLKATA	MUMBAI INDIANS	DELHI CAPITALS
45	56	SUN	23-MAY-21	07:30 PM	KOLKATA	ROYAL CHALLENGERS BANGALORE	CHENNAI SUPER KINGS
47	57	TUE	25-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	QUALIFIER 1	
48	58	WED	26-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	ELIMINATOR	
50	59	FRI	28-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	QUALIFIER 2	
52	60	SUN	30-MAY-21	07:30 PM	AHMEDABAD	FINAL	

न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे मुकाबले!

बीसीसीआई ने आईपीएल 14 के कार्यक्रम के ऐलान के साथ जारी बयान में कहा, 'लीग चरण में प्रत्येक टीम चार स्थलों पर खेलेगी।

लीग चरण में कुल 56 मैच होंगे जिनमें से चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु 10-10 जबकि अहमदाबाद और दिल्ली आठ-आठ मैचों की मेजबानी करेंगे। इस आईपीएल की एक विशेषता यह होगी कि सभी मैच तटस्थ स्थलों पर खेले जाएंगे तथा कोई भी टीम अपने घरेलू मैदान पर नहीं खेलेगी। सभी टीमें लीग चरण में छह स्थानों में से चार में खेलेगी।'

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, 'पिछले साल यूएई में सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ टूर्नामेंट के सुरक्षित और सफल आयोजन के बाद बीसीसीआई स्वदेश में सभी खिलाड़ियों और टूर्नामेंट से जुड़े लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ आईपीएल के आयोजन के प्रति आश्वस्त है।'

इस साल टूर्नामेंट में 11 डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे। दिन में खेले जाने वाले मैच दोपहर 3।30 बजे शुरु होंगे जबकि शाम को शुरु होने वाले का आगाज 7.30 पर होगा। जय शाह ने कार्यक्रम के बारे में कहा, इस बार टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है कि प्रत्येक चरण में टीमों को केवल तीन बार दौरा करने की जरूरत पड़ेगी। इसके उन्हें कम ट्रैवल करना होगा जिससे जोखिम कम होगा। शुरुआत में दर्शकों को मैदान में आने की अनुमति नहीं होगी। इस बारे में निर्णय बाद के चरण में लिया जाएगा।

अगर आप भी खरीदने जा रहे हैं नया स्मार्टफोन, तो ये जानकारी लेना बिल्कुल भी न भूलें!

मार्केट में कई बढ़िया फीचर्स वाले स्मार्टफोन्स आपको मिल जाएंगे। ऐसे में अगर आप भी नया फोन लेने के बारे में सोच रहे हैं तो आप सबसे पहले सभी फ़ोन्स के फीचर के बारे में ये 6 अहम बातें जरूर जान लें। कोरोना महामारी के समय मार्केट में कई लेटेस्ट फोन लॉन्च हुए और कई सारे लॉन्च होने अभी बाकी हैं। ऐसे में अगर आप भी नया फोन लेने की प्लानिंग कर रहे हैं तो फोन खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। फोन लेने से पहले उसके बारे में ये छह चीजें जान लें और उसके बाद ही डील करें। तो चलिए जानते हैं वो छह चीजें कौनसी हैं।

दमदार हो प्रोसेसर –

आजकल यंगस्टर्स में गेमिंग का बहुत ज्यादा क्रेज है। पबजी और फ्रीफायर जैसे गेम्स का हर कोई दिवाना है। तो ऐसे में जब भी आप नया स्मार्टफोन लेने के लिए सोचें या लेने जा रहे हों तो सबसे पहले फोन के प्रोसेसर के बारे में जरूर जानकारी ले ले और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 855 चिपसेट से नीचे की तो बात ही न करें।

बेहतर हो डिस्प्ले क्वालिटी –

आज कल जो भी फोन मार्केट में आ रहे हैं वो सभी हाई रिजॉल्यूशन से लैस आ रहे हैं। ऐसे में कहीं आप के हाथ कोई ऐसा फोन न लग जाए जो कि आम डिस्प्ले वाला हो। अगर आप नया फोन लेने जा रहे हैं तो अमोल्ड एचडी+ डिस्प्ले वाला फोन ही लें।

शानदार होना चाहिए डिजाइन –

किसी भी फोन का पहला इंप्रेशन होता है उसका लुक और डिजाइन। तो आप अपने फोन के डिज़ाइन पर भी उतना ही ध्यान दे, इसलिए अगर डिज़ाइन अच्छी हो तभी आगे की बात करें। सबसे जरुरी बात ये है की आपका फोन ऐसा हो कि आसानी से आपकी जेब में आ जाए। इस समय फ्रंट और बैक ग्लास के लुक वाले फोन काफी ट्रेंड में हैं।

कैमरा क्वालिटी जरूर करें चेक –

आजकल सेल्फी का जमाना है और लोग अपने फोन से फोटो लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करना बेहद पसंद करते हैं। इसलिए नया फोन खरीदते समय आप उसका कैमरा जरूर चेक करें कि कमरे की क्वालिटी कितनी अच्छी है। अब तो फोन में डबल, ट्रिपल और क्वाड कैमरे भी आने लगे हैं क्युकी आज कल कैमरे की क्वालिटी बहुत अहम होते हैं।

रैम और स्टोरेज का भी रखें ध्यान –

नया फोन लेते समय उसका रैम और स्टोरेज के बारे में भी अच्छी तरह से जानकारी ले लें। फोन में जितना ज्यादा रैम होगा, आपके फोन के उतने ही हैंग होने के चांस कम होंगे। आजकल 6 जीबी और 8 जीबी रैम वाले फोन की डिमांड काफी बढ़ गई है। इसके साथ सबसे जरुरी बात ये है कि मेमोरी ज्यादा होने से स्टोरेज कार्ड की भी जरूरत आपको कम ही पड़ती है।

दमदार होनी चाहिए बैटरी –

जिस हिसाब से आजकल स्मार्टफोन का यूज किया जा रहा है, उसको देखते हुए फोन में दमदार बैटरी होना भी बहुत जरुरी है क्योकि कमजोर बैटरी वाले फ़ोन आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते है। अगर आप फोन लेने की प्लानिंग कर रहे हैं तो मिनिमम 4000 एमएच से कम की बैटरी वाला फोन बिल्कुल ही न खरीदें बल्कि अगर आप ये ध्यान दे कि इससे ज्यादा ले सके तो बेहतर होगा।

रात में स्मार्टफोन, लैपटॉप जैसे डिवासेज का ज्यादा इस्तेमाल पुरुषों के लिए खतरनाक, घटती है स्पर्म क्वालिटी!

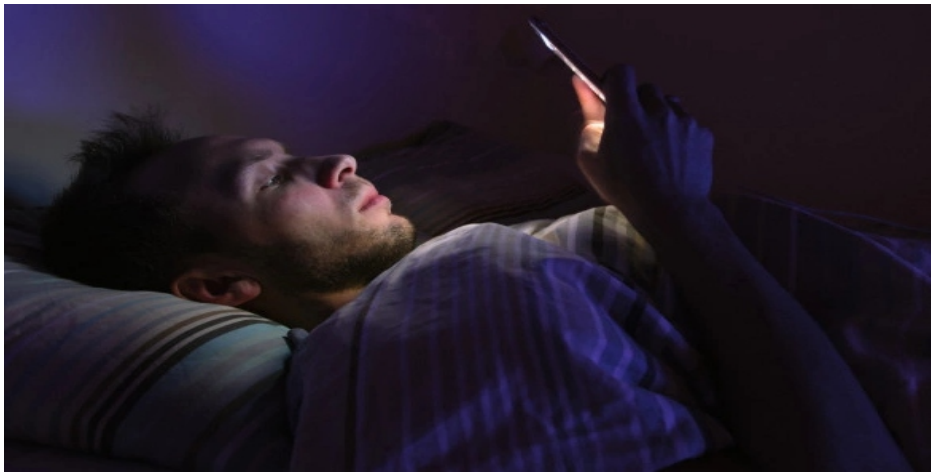

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पिछले कुछ सालों में हमारी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा हो गए हैं। पिछले लगभग 20-30 सालों में रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी हर गतिविधि में कोई-न-कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हो गया है। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन कई तरह की समस्याएं भी बढ़ाई हैं। इनके प्रयोग के कारण लोगों ने शारीरिक मेहनत करना कम कर दिया है, जिसके कारण मोटापा और दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ गई हैं। यही नहीं, इनमें से ज्यादातर डिवाइसेज इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन छोड़ते हैं, जिसका असर भी लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। हाल में ही एक रिसर्च में दावा किया गया है कि रात के समय डिजिटल डिवाइसेज का इस्तेमाल करने से पुरुषों के स्पर्म की क्वालिटी खराब होती है।

रेडिएशन का पड़ता है बुरा असर -

मोबाइल और लैपटॉप पिछले कुछ सालों में हमारे सबसे जरूरी और सबसे अच्छे दोस्त बन गए हैं। खासकर कोरोना वायरस महामारी आने के बाद से इनका इस्तेमाल लोगों में काफी बढ़ा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मोबाइल फोन से निकलने वाला रेडिएशन कितना खतरनाक हो सकता है? कई रिसर्च के अनुसार ये इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को बढ़ा सकता है, डीएनए में बदलाव कर सकता है और कई मामलों में तो कैंसर या ट्यूमर का भी कारण बन सकता है। इसके अलावा एक नए अध्ययन के अनुसार इसका असर पुरुषों के स्पर्म पर भी पड़ता है, इसलिए मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल पुरुषों में इंफर्टिलिटी की समस्या भी बढ़ा सकता है।

रात में स्क्रीन वाले गैजेट्स का इस्तेमाल है

खतरनाक -

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि इलेक्ट्रॉनकि मीडिया के रात में इस्तेमाल से पुरुषों में स्पर्म क्वालिटी खराब होती है। इस अध्ययन के अनुसार स्क्रीन गैजेट्स वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का शाम के बाद इस्तेमाल खासकर रात के समय खतरनाक हो सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग रात के समय स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप इत्यादि का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं, उनके स्पर्म की तैरने की क्षमता (कंसंट्रेशन और मोटिलिटी) कम हो जाती है। इसलिए पुरुषों के लिए देर रात तक इन डिवाइसेज का इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है।

खराब होती है स्पर्म क्वालिटी -

इजराइल के अस्सुटा मेडिकल सेंटर के स्लीप एंड फटीग इंस्टिट्यूट के रिसर्च एंड डेवलपमेंट के हेड डॉ. अमीत ग्रीन के अनुसार, "शाम के बाद या बेड टाइम के समय स्मार्टफोन और टैबलेट के ज्यादा इस्तेमाल का असर स्पर्म पर देखा गया है। मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट और टेलिविजन के ज्यादा रात तक इस्तेमाल से स्पर्म की क्वालिटी खराब होती है। हमारी जानकारी के मुताबिक ये पहला अध्ययन है, जिसमें डिजिटल मीडिया से निकलने वाली लाइट और स्पर्म क्वालिटी के बीच संबंध को बताया गया है। खासकर स्मार्टफोन और टैबलेट से निकलने वाली लाइट्स के बारे में।"

ऐसे किया गया अध्ययन -

इस अध्ययन के लिए 21 से 59 साल के 116 पुरुषों के वीर्य का सैपल लिया गया, जिनकी फर्टिलिटी पर पहले से ही जांच चल रही थी। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इनके वीर्य में स्पर्म का अध्ययन किया और इन सभी लोगों से इनके सोने की आदतों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल की आदतों के बारे में जानकारी इकट्ठा की। इसी के आधार पर वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज का ज्यादा इस्तेमाल पुरुषों की स्पर्म क्वालिटी घटाता है।

हालांकि ये अध्ययन बहुत छोटे समूह पर किया गया है, लेकिन ये अपने आप में स्मार्ट डिवाइसेज और स्पर्म क्वालिटी के बीच संबंध को दर्शाने वाला पहला अध्ययन है, इसलिए महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों को इस बारे में पुख्ता प्रमाण जुटाने के लिए और ज्यादा जानकारी के लिए बड़े पैमाने पर रिसर्च करने की जरूरत है।

बैंक में चाहिए जॉब, तो ऐसे करें एग्जाम की तैयारी!

क्या आप बैंक जॉब की तैयारी कर रहे है? क्या आप बैंक में नौकरी करना चाहते है? यदि आपका भी सपना है बैंकिंग में करियर बनाने का तो, यह आर्टिकल अन्तः तक जरुर पढ़े, यकीनन यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

भारत में बहुत से लोगों का सपना होता है - बैंक में जॉब करना। इसी वजह से हर साल बड़ी संख्या में उम्मीदवार बैंक में जॉब पाने के लिए परीक्षा भी देते हैं।

हर साल पूरे भारत से लगभग 60 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स बैंक से संबंधित परीक्षाएं जैसे की एसबीआई, आईबीपीएस, बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाएं देते हैं। लेकिन उनमें सबका चयन नहीं होता, बस थोड़े से उम्मीदवारों का ही चयन होता है। इसका कारण यह है कि बैंक की परीक्षाएं काफी मुश्किल होती हैं और इस फील्ड में काफी कम्पटीशन भी होता है। ऐसे में उन छात्रों को ही सफलता मिलती है जो ठोस स्ट्रैटिजी बनाकर तैयारी करते हैं और परीक्षा के दौरान भी अपनी बनायीं हुई स्ट्रैटिजी पर अमल करते हैं।

एग्जाम के सिलेबस, कटऑफ और कठिनाई के स्तर पर खूब गौर करें -

- बैंक के एग्जाम से संबंधित तो कई परीक्षाएं होती हैं लेकिन सबके सिलेबस एक जैसे ही होते हैं।
- अलग-अलग एग्जाम में किस टॉपिक से कितने नंबर का सवाल पूछा जाता है और पेपर की कठिनाई का क्या स्तर होता है, उसे देखें।
- हर विषय का कटऑफ और ओवरआल कटऑफ भी देख लें।
- इन सभी सूचनाओं के आधार पर आपको चुनाव करना चाहिए कि कौन सी परीक्षा देनी है और फिर उसी हिसाब से अपनी स्ट्रैटिजी बनाएं।

टॉपिक्स को अलग करें -

- परीक्षा का चयन करने के बाद कठिनाई के स्तर के आधार पर टॉपिकों को अलग कर लें।
- टॉपिकों की दो लिस्ट बनाएं। एक में उन टॉपिकों को रखें जिस पर आपकी मजबूत पकड़ हो और दूसरे में उन टॉपिकों को रखे जिनमें आप कमजोर हों।

मजबूत पकड़ वाले टॉपिकों की पहले तैयारी करें -

- मजबूत पकड़ वाले टॉपिक्स की पहले तैयारी करें क्योंकि उनमें कम समय लगेगा।
- टॉपिक्स से संबंधित सभी फॉर्म्युला और बेसिक कॉन्सेप्ट को पूरी तरह क्लियर कर लें।
- उन टॉपिक से संबंधित पिछले साल के प्रश्नपत्र को सॉल्व करने की कोशिश करें।
- इससे आपको अपनी तैयारी का स्तर समझने में मदद मिलेगी।
- साथ ही इससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा और आगे की तैयारियों के लिए आपका उत्साह बढ़ेगा और आप आसानी से अपनी तईयारी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट की प्रैक्टिस करें -

- मॉक टेस्ट की प्रैक्टिस करने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में बढ़ोतरी होगी।
- इससे आपको यह भी पता चलेगा कि आपकी तैयारी में कहां पर कमी रह गयी है।

फिर उन टॉपिकों को कवर करें जिनमें कमजोर हैं -

- जिनमे आप कमज़ोरहै उनमे से कुछ ऐसे टॉपिकों का चुने जिनमें ज्यादा नंबर के सवाल पूछे जाते हों और आपको कम मेहनत करनी पड़ेगी।
- इस तरह के टॉपिकों को हल करने के लिए पहले अपना बेसिक नॉलेज को क्लियर करें।
- आपकी स्पीड और एक्यूरेसी को बेहतर बनाने के लिए एप्रोप्रियेट क्वेश्चन को सॉल्व करें।

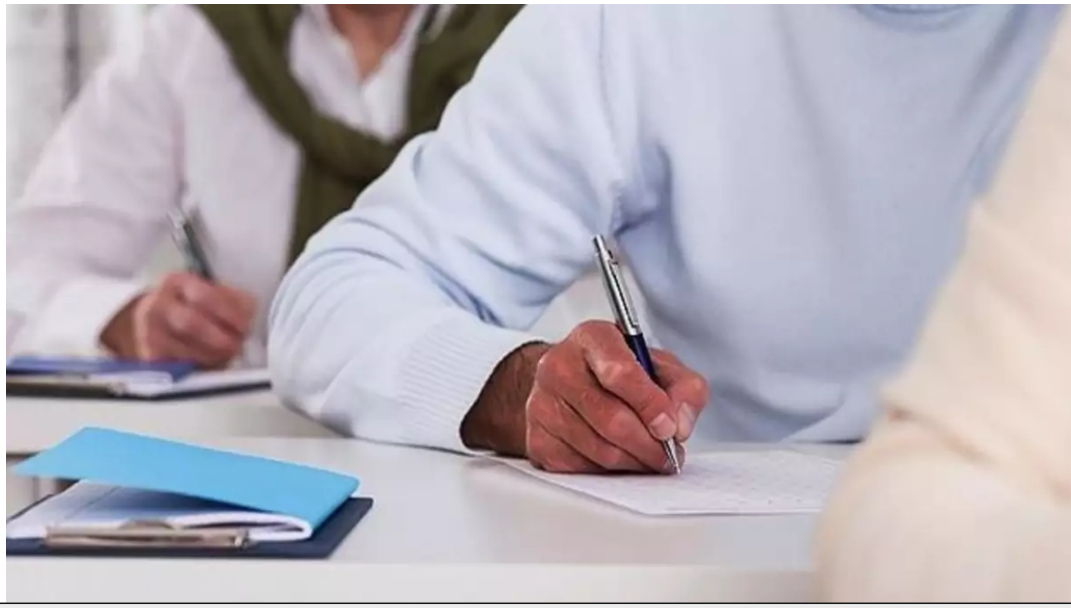

भारत अब एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन दूसरे देशों को नहीं देगा, घरेलू टीकाकरण पर करेगा फोकस!

प्रियांशी श्रीवास्तव

भारत में कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों में बीच बड़ी खबर आ रही है। केंद्र सरकार अब एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन दूसरे देशों को नहीं देगा। सूत्रों के हवाले से रायटर्स ने बताया कि घरेलू टीकाकरण पर फोकस करने के लिए यह फैसला किया गया है। देश में एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोवीशील्ड के नाम से कर रही है।

मामले से जुड़े लोगों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि वैक्सीन के निर्यात पर कोई रोक नहीं लगाई गई है, लेकिन दूसरे देशों को वैक्सीन की सप्लाई घरेलू सप्लाई के आकलन के बाद ही की जाएगी। विदेशों में वैक्सीन एक्सपोर्ट डोमेस्टिक प्रोडक्शन पर भी निर्भर करेगा।

उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता देश के लोगों का टीकाकरण है। देश में वैक्सीन प्रोडक्शन की क्षमता बढ़ी है और दो वैक्सीन (कोवीशील्ड और कोवैक्सिन) को इमरजेंसी यूज के लिए अप्रूवल भी दिया गया है। ऐसे में सरकार दो महीने बाद रिव्यू करने के बाद ही देश से बाहर वैक्सीन सप्लाई पर फैसला करेगी।

हाल ही में राजस्थान-पंजाब समेत कई राज्यों ने केंद्र सरकार से भारी मात्रा में वैक्सीन की मांग की थी। फिलहाल देश में रोजाना कई राज्यों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे में आने वाले दिनों में वैक्सीन मांग में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले केंद्र सरकार ने 22 मार्च को कोवीशील्ड को लेकर अब नई गाइडलाइन जारी की थी। इसके मुताबिक कोवीशील्ड के दो डोज के बीच का समय पहले से दो हफ्ते ज्यादा रहेगा। अब तक कोवीशील्ड के दोनों डोज के बीच 4 से 6 हफ्ते, यानी 28 से 42 दिन का अंतर रखा जाता था। नए निर्देश के मुताबिक अब यह अंतर 6 से 8 हफ्ते यानी 42 से 56 दिन का होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि ट्रायल्स डेटा के अनुसार अगर 6-8 हफ्ते के अंतर से कोवीशील्ड के दो डोज दिए जाते हैं तो प्रोटेक्शन बढ़ जाता है, पर यह अंतर 8 हफ्ते से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारत ने अब तक 76 देशों को कोरोना वैक्सीन भेजी हैं। कई देशों को वैक्सीन फ्री दी गई है, जबकि कुछ देशों को इसे बेचा गया है। पड़ोसी देशों श्रीलंका, भूटान, मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार और सेशेल्स को करीब 56 लाख वैक्सीन फ्री में दी गई हैं। भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोवीशील्ड और भारत बायोटेक कोवैक्सिन का प्रोडक्शन कर रही हैं।

16 जनवरी से शुरू हुआ टीकाकरण -

देश में 16 जनवरी को हेल्थकेयर वर्कर्स को टीका लगाने के साथ कोरोना टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। 2 फरवरी से फ्रंटलाइन वर्कर्स को भी वैक्सीन लगने लगी थी। 13 फरवरी से हेल्थकेयर वर्कर्स को दूसरा डोज दिया जा रहा है। फ्रंटलाइन वर्कर्स को दूसरा डोज देने की शुरुआत 2 मार्च को हुई।

देश में कोरोना वैक्सीनेशन का दूसरा फेज 1 मार्च से शुरू हुआ था। इस फेज के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। इसके साथ ही 45 से 60 की उम्र के ऐसे लोगों को भी वैक्सीन लग रही है, जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं।

एक अप्रैल से 45 साल और इससे ज्यादा उम्र के सभी लोग कोरोना वैक्सीन लगवा सकेंगे। केंद्र सरकार ने बीते माह (23 मार्च) को इसका फैसला किया था।

नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के इन रूपों की होती है पूजा!

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 13 अप्रैल से शुरू होने जा रही है, जो 22 अप्रैल तक चलेगी। हिंदुओं द्वारा कुल चार तरह की नवरात्रि मनाई जाती है - चैत्र, शारदीय, माघ और आषाढ़ नवरात्र है। इन सभी नवरात्रि में मां दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों की अलग-अलग दिन पूजा की जाती है। माता दुर्गा के इन सभी नौ रूपों का अपना अलग महत्व है। माता के प्रथम रूप को शैलपुत्री, दूसरे को ब्रह्मचारिणी, तीसरे को चंद्रघण्टा, चौथे को कूष्माण्डा, पांचवें को स्कन्दमाता, छठे को कात्यायनी, सातवें को कालरात्रि, आठवें को महागौरी तथा नौवें रूप को सिद्धिदात्री कहा जाता है। इन नवों दुर्गा को पापों की विनाशिनी कहा जाता है, हर देवी के अलग अलग वाहन हैं, अस्त्र शस्त्र हैं परंतु यह सब एक हैं। आइये विस्तार से जानते हैं 9 दिनों में मां दुर्गों के किन-किन रुपों की पूजा की जाती है -

1. शैलपुत्री

मां दुर्गा का पहला रूप है शैलपुत्री। शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। इन्हें करुणा और ममता की देवी माना जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त श्रद्धा भाव से मां की पूजा करता है उसे सुख और सिद्धि की प्राप्ति होती है।

2. ब्रह्मचारिणी

मां दुर्गा का दूसरा रूप है ब्रह्मचारिणी। मान्यता है कि इनकी पूजा करने से यश, सिद्धि और सर्वत्र विजय की प्राप्ति होती है। इन्होंने भगवान शंकर को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसलिए इन्हें तपश्चारिणी के नाम से भी जाना जाता है।

3. चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा रूप है चंद्रघंटा। मान्यता है कि शेर पर सवार मां चंद्रघंटा की पूजा करने से भक्तों के कष्ट हमेशा के लिए खत्म हो जाते हैं। इन्हें पूजने से मन को शक्ति और वीरता मिलती है।

4. कूष्माण्डा

मां दुर्गा का चौथा रूप है कूष्माण्डा। मान्यता है कि मां कूष्माण्डा की उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक मिट जाते हैं। इनकी पूजा से आयु, यश, बल और आरोग्य की वृद्धि होती है।

5. स्कंदमाता

मां दुर्गा का पांचवा रूप है स्कंदमाता। मान्यता है कि यह भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती हैं। इन्हें मोक्ष के द्वार खोलने वाली माता के रूप में भी पूजा जाता है।

6. कात्यायनी

मां दुर्गा का छठा रूप है कात्यायनी। इन्हें गौरी, उमा, हेमावती और इस्वरी नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि यह महर्षि कात्यायन को पुत्री के रूप में मिलीं इसीलिए इनका नाम कात्यायनी पड़ा। माना यह भी जाता है कि जिन लड़कियों की शादी में देरी हो रही होती है, वह मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए कात्यायिनी माता की ही पूजा करती हैं।

7. कालरात्रि

मां दुर्गा का सातवां रूप है कालरात्रि। मान्यता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने से काल और असुरों का नाश होता है। इसी वजह से मां के इस रूप को कालरात्रि कहा जाता है। यह माता हमेशा शुभ फल ही देती हैं इसीलिए इन्हें शुभंकारी भी कहा जाता है।

8. महागौरी

मां दुर्गा का आठवां रूप है महागौरी। यह भगवान शिवजी की अर्धांगिनी या पत्नी हैं। इस दिन मां को चुनरी भेंट करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

9. सिद्धिदात्री

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा का नौवां रूप होता है सिद्धिदात्री। मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की पूजा करने से रूके हुए हर काम पूरे होते हैं और हर काम में सिद्धि मिलती है।

इस वर्ष 13 अप्रैल के दिन घटस्थापना की जाएगी। चैत्र नवरात्र के दिन सुबह जल्द उठकर स्नान कर स्वस्छ कपड़े धारण करें। फिर पाद्य, लाल वस्त्र, अक्षत, पुष्प, धूप, दीपक, नैवेद्य, पुष्पांजलि से देवी की स्थान को सुसज्जित करें। गणेश जी और माता की पूजा करके घट या कलश स्थापना करें। अब नौ देवियों की आकृति बनाने के लिए लकड़ी के पटरे पर पानी में गेरू घोले। चाहे तो दुर्गा मां की प्रतिमा भी स्थापित कर सकते हैं। फिर कलावा लपेटें और गणेश स्वरूप में कलश पर उसे विराजमान करें। घट के पास गेहूं या जौ का पात्र रखें। अब पूजा और मां भगवती का आह्वान करें।

बता दें, चैत्र नवरात्र (अप्रैल या मई के दौरान) से हिन्दू वर्ष की शुरुआत होती है वहीं शारदीय नवरात्र (दिवाली से पहले आने वाले नवरात्रि) अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसीलिए शारदीय नवरात्रि के आखिरी दिन के बाद 10वें दिन विजयादशमी मनाई जाती है।

मेष- शेयर बाज़ार में पैसा निवेश किया हुआ है तो वहां से नुकसान उठाना पड़ेगा। इस माह आपको प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहिए जो आगे चलकर लाभदायक सिद्ध होगा। ऑफिस के काम में भी खर्चा करना पड़ेगा लेकिन वह ज्यादा नही होगा। आर्थिक रूप से यह माह आपके लिए उतार-चढ़ाव वाला रहने वाला है।

वृषभ- अपने भाई या बहन से अपनी निजी समस्याओं को साँझा करने का अवसर प्राप्त होगा और इसमें उनकी सहायता भी आपके बहुत काम आएगी। यदि आप किसी बड़े शहर या मेट्रो सिटी में रहते हैं तो अपने पैतृक घर जाने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक अनुष्ठान होने के भी संकेत है। विवाहित जीवन में कुछ बातो को लेकर कलेश होगा और आपका अपने जीवनसाथी के साथ संबंध सही नही रहेगा।

मिथुन- यदि आप अपने रिश्ते को जीवंत बनाए रखना चाहते हैं तो इस माह उनके लिए कुछ स्पेशल करने का प्रयास अवश्य करे या फिर उन्हें कुछ उपहार खरीद कर दे। यह माह आप दोनों के लिए बहुत शुभ हैं और इस माह में किया गया आपका छोटा सा प्रयास भी रिश्तो को और मजबूत कर देगा। बिज़नेस के किसी काम से लम्बी यात्रा पर जाने के संकेत है।

कर्क- आप नौकरी कर रहे हैं तो कुछ अनुभवी लोगों की सलाह बहुत काम आएगी और आप अपने कार्यक्षेत्र में उस अनुसार परिवर्तन ला पाएंगे। ये परिवर्तन भविष्य में आपको अपना करियर बनाने में सहायता करेंगे। अपने भाई या बहन की बात का भी सम्मान रखें अन्यथा वे बुरा मान सकते है। यदि आप धुम्रपान करते हैं तो इस माह हो सके तो उसे कम कर दे

सिंह- सरकारी नौकरी कर रहे हैं तो इस माह ट्रान्सफर के प्रबल संकेत है। आप इससे खुश तो नज़र आएंगे लेकिन काम का बोझ शायद बढ़ जाए। निजी नौकरी करते हैं तो काम के सिलसिले में लंबी यात्रा पर जाने के संकेत हैं और वही कुछ दिन व्यतीत करने होंगे। व्यापार के क्षेत्र में लाभ मिलेगा लेकिन खर्चे भी बढ़ जाएंगे।

कन्या-इस माह अपनी व अपने परिवार के सदस्यों की नज़र अवश्य उतार ले क्योंकि किसी की बुरी नज़र आप सभी के ऊपर लगी हुई हैं जिस कारण बनते हुये काम भी बिगड़ते हुए नज़र आएंगे। घर की बातो को बाहर कहने से बचे और मुख्यतया धन संबंधी बाते किसी के साथ साँझा ना करे। हालाँकि व्यापार में लाभ तो मिलेगा लेकिन आप उससे संतुष्ट नही दिखाई देंगे। खर्चे भी बढ़ जाएंगे

तुला- यदि पैसा कहीं अटका हुआ था या वापस नहीं आ रहा था तो वहां से पैसा मिल जाएगा। किसी क्लब या संस्था से जुड़े हुए हैं तो वहां से भी लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपको लेकर सकारात्मक माहौल बनेगा और सभी आपके व्यवहार की प्रशंसा करेंगे। बच्चे भी आपकी खुशी का कारण बनेंगे। शरीर में विटामिन की कमी रह सकती हैं जिस कारण कमजोरी का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक-कोई ऐसा निर्णय ले सकते हैं जो बाद में गलत सिद्ध होगा। ऐसे में किसी भी कार्य की जल्दबाजी से बचे और सोच-समझ कर ही निर्णय ले। मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा और किसी दोस्त की शादी का निमंत्रण भी आ सकता है। भाई के साथ कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। बच्चे कॉलेज में हैं तो उन्हें ट्रिप पर भेजने के लिए पैसे खर्च होंगे।

धनु-परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर नही होगी और घर के पुराने पड़े गहनों को भी बेचने का सोच सकते है। कार्यक्षेत्र में उन्नति तो मिलेगी लेकिन वह संतुष्ट नही कर पाएगी। घर में सबकुछ ठीक होने के बाद भी तनाव का माहौल रहेगा और आपसी रिश्तो में दूरियां बढ़ेगी। आपका स्वभाव भी गुस्सैल रहने की संभावना है।

मकर- यदि कुछ दिनों से आपकी अपने प्रेमी के साथ रिश्ते में अनबन चल रही हैं तो इस माह आप उन्हें मनाने में सफल हो जाएंगे। लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से परेशान हैं तो उससे भी छुटकारा मिलेगा और पहले से ज्यादा ऊर्जावान महसूस करेंगे। धूल भरे इलाको में जाने से बचे। कारोबारियों की बात की जाए तो इस माह आपको अपने बिज़नेस को बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा

कुंभ- परिवार का आर्थिक संकट तो दूर होगा लेकिन कोई नयी समस्या आ सकती है। घर के सदस्यों को किसी बात की चिंता सताएगी और आपका भी किसी के साथ मन-मुटाव हो सकता है। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति तो होगी लेकिन कुछ कारणों से आप उसका लाभ नही उठा पाएंगे। छात्रों को इस माह अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की आवश्यकता हैं अन्यथा स्थिति बिगड़ जाएगी जो बाद में संभल नही पाएगी।

मीन-चन्द्रमा अच्छा योग बना रहा हैं जिस कारण पत्नी के साथ संबंधो में मजबूती आएगी। माँ के साथ कही बाहर जाने का प्लान कर सकते है। यदि आप किसी के साथ प्रेम संबंध में हैं तो उनकी ओर से कुछ स्पेशल करने का प्रयास किया जाएगा जो आपको आनंदित कर देगा। नौकरी को लेकर आशान्वित रहेंगे और सभी का आपके ऊपर विश्वास भी बना रहेगा।

लॉकडाउन के एक वर्ष पूरे होने पर कांग्रेसियों ने बजायी थाली, जनता कर्फ्यू का किया विरोध

लॉक डाउन के एक वर्ष पूरे होने पर पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ताली-थाली बजाकर जनता कर्फ्यू का विरोध किया। सिगरा स्थित भारत माता मंदिर के प्रांगण में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसियों ने वैश्विक महामारी के दौरान सरकार की नीतियों को विफल बताया। बता दें 22 मार्च को जनता कर्फ्यू को एक साल पूर्ण हुआ जिसका कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध किया। इस संबंध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश में बिना किसी तैयारी के जनता कर्फ्यू लगाया गया जिसकी वजह से लोग रोजी-रोटी के लिए आज भी जूझ रहे है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश में जनता कर्फ्यू के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा जिसका खामियाजा लोग आज भी भुगत रहे हैं।

नितिन गडकरी का ऐलान, खत्म होगें टोल प्लाजा

अमरोहा में बीएसपी सांसद कुंवर दानिश अली के द्वारा गढ़ मुक्तेश्वर के पास नगर निगम की सीमा में टोल प्लाज़ा होने पर सवाल उठाया गया तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में इसके जवाब में एक साल के अंदर टोल प्लाजा हटाने का ऐलान कर दिया। बता दें कि परिवहन और यातायात मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पिछली सरकार में सड़क परियोजनाओं में ऐसे और भी कई टोल प्लाज़ा बनवाये गए हैं, जो की गलत है। उन्होंने ने कहा कि अगर इन टोल प्लाजा को हटवाया जाये तो सड़क बनाने वाली कंपनी मुआवज़ा मांगेगी। लेकिन इसके बावजूद सरकार ने एक साल में सारे टोल ख़त्म करने की परियोजना बनायीं है। उन्होंने बताया कि सरकार की परियोजना के मुताबिक़ आने वाले वक़्त में टेक्नोलॉजी की मदत से लोगों को उतना ही टोल चुकाना होगा, जितना वह सफर करेंगे। इसके लिए हाईवे पर जीपीआरएस ट्रैकर लगवाए जायेंगे।

NEWS
TOP HEADLINES

पीएम की परीक्षा पर चर्चा के लिए केंद्रीय विद्यालय के छात्र तैयार, बनाया मास्क पर पेंटिंग

भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा 2021 में शामिल होने के लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के केंद्रीय विद्यालय के छात्र पूरी तरह से तैयार हैं। प्रधानमंत्री के द्वारा होने वाली इस परीक्षा पर चर्चा के लिए केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के द्वारा एक अनोखी तरह से तैयारी की गयी है। बता दें कि छात्रों के द्वारा मास्क पर तरह तरह की देश की संस्कृति सभ्यता, सफाई अभियान और कोरोना के लिए जागरूक करने से जुड़ी पेंटिंग बनाई गयी है। छात्रों का कहना है कि वह इस परीक्षा पर होने वाली चर्चा के लिए बहुत उत्साहित हैं और प्रधानमंत्री से परीक्षा से जुड़ी कई बातें करने के साथ उनका मार्गदर्शन चाहते हैं। वहीं विद्यालय के प्राचार्य डॉ दिवाकर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री से होने वाली चर्चा को लेकर विद्यालय के छात्रों द्वारा तैयारियां की गई है। विद्यालय के कला शिक्षक कौशलेश कुमार ने बताया कि छात्रों ने एक्रेलिक एवं फैब्रिक कलर से कैनवास के मास्क पर अनेक सन्देश देने वाले चित्र बनाए हैं। बता दें कि इस पेंटिंग को शिक्षा मंत्रालय द्वारा ट्वीट करके शुभकामनाएं भी दी गई है।

कोलकाता की बहुमंजिला इमारत की 13वीं मंजिल पर लगी आग, 2 रेलकर्मियों समेत 9 की मौत

कोलकाता के स्ट्रैंड रोड इलाके में स्थित एक बहुमंजिला इमारत की 13वीं मंजिल पर आग लग गयी। कोलकाता पुलिस के मुताबिक यह आग शाम को 6 बजकर 10 मिनट पर लगी। बता दें कि इस मंज़िल पर पूर्वी रेलवे का कार्यालय हैं। इस मंजिल पर पूर्वी रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे का जोनल कार्यालय हैं और भूतल पर एक कम्पूटराइज टिकट बुकिंग केंद्र है। जिसकी वजह से आग का असर बुकिंग प्रक्रिया पर भी पड़ा है। इस दुर्घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुःख जताते हुए 2 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है। वहीं ममता बनर्जी भी घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि इस बहुमंजिला कोइलाघाट इमारत में 9 लोगों की मौत हो गयी है। वहीं दमकल और आपातकालीन सेवामंत्री सुजीत बसु ने बताया कि इस दुर्घटना में मारे गए 4 दमकल कर्मी के साथ हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के एक सहायक उपनिरीक्षक और एक आरपीएफ कर्मी भी शामिल हैं।

यौन उत्पीड़न के मामलों में नाबालिक की उम्र सीमा को कम करने की मांग, केंद्र से हुयी सिफारिश

यौन अपराधों के मामलों में नाबालिक होने की उम्र की सीमा को 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने के लिए केंद्र से सिफारिश की गयी है। गृह

मामलों में संसदीय स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम पॉक्सो एक्ट में उम्र की सीमा को घटाने की मांग की है। कांग्रेस के संसद सदस्य आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति ने 15 मार्च को ही राज्यसभा में रिपोर्ट पेश कर दी है। अब इंतजार है केंद्र सरकार की महुर लगने की। इस रिपोर्ट में वर्ष 2017 से लेकर वर्ष 2019 के दौरान हुए यौन उत्पीड़न के मामलों में नाबालिकों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में यौन अपराध में सम्मिलित नाबालिक की उम्र सीमा पर समीक्षा की गयी। समिति के द्वारा पेश की गयी रिपोर्ट में ये सिफारिश की गयी है कि गृह मंत्रालय को इसे महिला और बाल विकास मंत्रालय के साथ उठाना चाहिए। रिपोर्ट में 2017 से 2019 के बीच हुए यौन उत्पीड़न के मामलों में नाबालिकों की संख्या पर चिंता व्यक्त की गयी। साथ ही ये सुझाव दिया गया कि अगर इसी प्रकार यौन उत्पीड़न के मामलों में नाबालिकों की संलिप्तता बढ़ती रही तो,आने वाले समय में इसके परिणाम और भी घातक देखने को मिलेंगे।

बीएचयू छात्र ने जताई अज़ान की आवाज़ पर आपत्ति, किया ट्वीट

जहां एक ओर कुछ दिन पहले इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी से अज़ान की आवाज़ पर आपत्ति जताई गयी थी तो, वहीं अब बीएचयू के छात्र ने भी अज़ान की आवाज़ पर आपत्ति जताए हुए ट्वीट किया है। बता दें कि करुणेश पाण्डेय ने अपने ट्वीट में बताया कि उन्होंने बीएचयू से एम.ए किया है और वर्तमान में रिसर्च के लिए अप्लाई किये हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी के भैदनी में उनके घर के बगल में मस्जिद है, जिससे बहुत ज्यादा ध्वनि प्रदूषण होता है। उन्होंने ने बताया कि वह शाम को बच्चो को पढ़ते हैं, मगर मस्जिद से आने वाली आवाज के कारन उन्हें 10 मिनट के लिए उन्हें क्लास स्थगित करनी पड़ती है। करुणेश पाण्डेय ने यह साफ़ स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी धर्म-संप्रदाय को आहत पहुंचाना नहीं बल्कि पढ़ाई अवरुद्ध न हो इसके लिए ट्वीट किया है।

गरीब मेधावी छात्रों की होगी निशुल्क मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सक छात्रों द्वारा बनाया गयी जगदम्बा फाउंडेशन ने अब गरीब मेधावी छात्रों के लिए एक मुहिम चलाई है। इसके अंतर्गत गरीब मेधावी छात्रों को निशुल्क मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी कराई जाएगी। इसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र उनकी मदद करेंगे। हमारी टीम में 15 से 20 सदस्य एक साथ मिलकर मुहिम को सफल बनाने का कार्य कर रहे हैं। अभी तक 600 के आसपास छात्रों को मुहिम के जरिये संपर्क किया गया है एवं यह मुहिम बनारस जिले से शुरू होकर प्रदेश के हर जिले तक पहुंचेगी और फिर धीरे-धीरे देश स्तर पर कार्य किया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष डॉ अनुज उपाध्याय ने बताया कि इस मुहिम के जरिए गरीब एवं मेधावी छात्रों का डॉक्टर एवं इंजीनियर बनने का सपना अवश्य ही साकार होगा। इस मुहिम में सरकारी विद्यालयों के छात्रों के बीच प्रतियोगिता करा कर उनमें सफल हुए विजेता विद्यार्थियों को निशुल्क मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी कराई जाएगी। संगठन द्वारा सेंट्रल हिंदू स्कूल, प्रभु नारायण नारायण राजकीय इंटर कॉलेज, गोपी राधा इंटर कॉलेज इत्यादि विद्यालयों में जाकर प्रतियोगिता के बारे में छात्रों प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगी परीक्षा संगठन द्वारा अप्रैल माह में आयोजित कराई जाएगी। संगठन के अध्यक्ष डॉ अनुज उपाध्याय ने बताया कि हर साल विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए बड़ी संख्या में आवेदन करते हैं। प्रवेश परीक्षाओं में सफलता के लिए कोचिंग संस्थानों का भी सहारा लेते हैं इसमें उन्हें बड़ी धनराशि भी खर्च करनी पड़ती है। बहुत से छात्र धन के अभाव में तैयारी नहीं कर पाते हैं ऐसे ही जरूरतमंद छात्रों का बीड़ा जगदंबा फाउंडेशन की टीम ने उठाया है।

भाजपा सांसद के घर के बाहर बम से हमला

भाजपा सांसद अर्जुन सिंह के घर के पास बम हमला किया गया। इस हमले में 1 बच्चे समेत 3 लोग भी घायल हुए हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। वहीं बंगाल के इस 17वें विधानसभा चुनाव के सभी दावेदार ज़ोर शोर से मैदान में जीत के लिए डटें हैं। मगर इसी के बीच बंगाल में हिंसा की भी कई घटनाएं सामने आ रही हैं। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के भाटपारा के जगदल इलाके में भारतीय जनता पार्टी के सांसद अर्जुन सिंह के आवास के पास बम से हमला हुआ है जिसमें 1 बच्चे समेत 3 लोग भी घायल हुए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुर रॉय ने इस मामले को चुनाव आयोग में ले जाने की बात कही है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक़ भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने इस मामले में दावा किया है कि 15 स्थानों पर बम फेंके गए हैं। अर्जुन सिंह का कहना है कि पुलिस द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को भी को तीन लोगों और उनके सहयोगियों द्वारा तोड़ दिया गया है। उन्होंने इसका आरोप टीएमसी पर लगाया है। इस मामले में एसीपी चौधरी का कहना है कि पुलिस इस हमले और भाजपा सांसद के आरोपों की जांच में जुट गई है।

सम्पूर्णानद संस्कृत विश्वविद्यालय में फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा करने की बढ़ी डिमांड

कैरियर के नए आयाम की तालाश में जुटे विद्यार्थियों ने अब पारंपरिक शिक्षा पद्धति से हटकर कुछ अगल करने का प्रयास किया है। ऐसे में सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में विदेशी भाषा में डिप्लोमा कोर्सेस में विद्यार्थियों का रुझान देखा जा रहा है। विश्वविद्यालय में फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा करने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। विश्वविद्यालय में 3 वर्षों से फ्रेंच भाषा पढ़ाने वाले गेस्ट शिक्षक डॉ अनिल चतुर्वेदी ने फ्रेंच भाषा के महत्व के बारे में बताया कि फ्रेंच में डिप्लोमा करने के बाद कैरियर के कई आयाम मिलते है। उन्होंने बताया कि इसके बाद रॉ, देश के राजदूत, इंटरनेशनल ट्रांसलेटर के साथ कई एमएनसी कपनियों में आसानी से नौकरियां मील जाती हैं। डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि फ्रेंच सीखने वालों में डॉक्टर, इंजीनियरिंग, मिलिट्रीमैन, बिजनेसमैन, स्पोर्ट्स मैन, पुलिसमैन के साथ अन्य विभागों के लोग शामिल हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा के बारे में बताया कि विश्वविद्यालय में 2 वर्षों का डिप्लोमा कोर्स कराया जाता है और इसके बाद 1 साल की एडवांस फ्रेंच डिप्लोमा कोर्स की सुविधा है।

NEWS
TOP HEADLINES

शराब की दुकान के पास जाम छलकाना पड़ा महंगा, 11 हिरासत में

वाराणसी के चेतगंज इलाके स्थित बियर शॉप पर कार्यवाई की गयी। एसएसपी अमित पाठक ने बियर शॉप के पास अपनी गाड़ी रुकवायी और जाम छलका रहे लोगों को हिरासत में लिया। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रात्रि भ्रमण पर निकले अमित पाठक ने बियर शॉप और उसके आस पास शराब पी रहे लोगों पर बड़ी कार्यवाई की। एसएसपी के आगमन की सूचना पर चेतगंज थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। बियर शॉप के बाहर शारब पी रहे लोगों को देख अमित पाठक ने नाराजगी व्यक्त की। अमित पाठक ने बियर शॉप के खिलाफ रिपोर्ट बनाकर आबकारी विभाग को भेजने के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया। इसके साथ ही बियर शोप का लाइसेंस निरस्त करने की बात कही। पकड़े गए सेल्समैन और 11 लोगों को पुलिस थाने ले गयी और सभी का चालान किया।

नीता अम्बानी को विजिटिंग प्रोफेसर बनाये जाने पर हंगामा, बीएचयू के छात्रों ने किया प्रदर्शन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी को विजिटिंग प्रोफेसर बनाये जाने पर छात्रों ने जमकर बवाल काटा। छात्रों ने इसका विरोध करते हुए नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि देश में जिस प्रकार से केंद्र सरकार के द्वारा निजीकरण का खेल खेला जा रहा है उसी क्रम में अब काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को चिन्हित किया जा रहा है।

नारेबाजी कर रहे छात्रों ने कहा कि निजीकरण के षड्यंत्र के तहत नीता अंबानी को विजिटिंग प्रोफेसर बनाया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि सिर्फ पूंजीपति की पत्नी होने के नाते उन्हें विजिटिंग प्रोफेसर बनाया जा रहा है, जबकि उन्होंने किसी भी प्रकार की उपलप्रिप्त नहीं की है। छात्रों ने कहा कि यदि बड़े घरानों के लोगों को प्रोफेसर बनाना है तो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की पत्नी रावड़ी देवी को विजिटिंग प्रोफेसर बनाना चाहिए क्योंकि वो एक मुख्यमंत्री की पत्नी है और खुद भी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

प्रशासन टीका लगवाने के लिए कर रही जागरूक, जिलाधिकारी ने भी की अपील

देशभर में जारी टीकाकरण को लेकर अब लोग भी जागरूक हो रहे है। एक ओर जहां लोग टीकाकरण में बढ़चढ़ कर अपना योगदान दे रहे है वहीं कुछ लोग अभी भी टीकाकरण से बच रहे हैं। शायद अभी भी कुछ लोगों में टीके को लेकर दुविधा हो रही है। ऐसे में टीकाकरण की धीमी रफ्तार को देखते हुए भदोही जिला प्रशासन ने अब पहल की है और खुद जिलाधिकारी ने कमान संभालते हुए जिम्मेदारी ली है। आपको बता दें कि भदोही के टीकाकरण की धीमी रफ्तार को देखते हुए जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने लोगों से टीका लगवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिले के 2 जिला अस्पताल, 5 सीएचसी,17 पीएचसी और 5 निजी अस्पतालों में पहले से ही वैक्सीन लगाई जा रही है, मगर वैक्सीन लगवाने वाले लोगों में अभी भी कमी देखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि टीकाकरण के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए गांव में एएनएम और आशा वर्करों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। उन्होंने कहा कि जिले में अभी भी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार टीकाकरण नहीं हो पा रहा है। फिर से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए उन्होंने सभी से टीका लगवाने की अपील की है। बता दें कि कोरोना वैक्सीन के आगमन से ही लोगों में वैक्सीन को लेकर दुविधा है। ज्यादातर लोग सोशल मिडिया पर फैली अफवाहों को लेकर भी टीके से किनारा कर रहे हैं। उपर से वैक्सीन को लेकर जमकर हो रही राजनीति से भी लोग डरे हुए हैं।

बीएचयू अस्पताल में बड़ी लापरवाही, मोबाइल की रोशनी में ही कर डाला ऑपरेशन

आज कल देश से कई कोने से अलग-अलग तरीके के वीडियो और फोटोज वायरल होते है जिन्हें लोग बड़े चाव से देखते है। इनमें से कुछ काफी चिंताजनक होते है और कुछ लोगों को प्रभावित करने के साथ मनोरंजन का काम करते है। ऐसा ही कुछ फोटो वाराणसी के बीएचयू ट्रामा सेंटर की वायरल हो रही है जिसमें डॉक्टरों की टीम मोबाइल टोर्च की रौशनी में दांत का ऑपरेशन करते देखे जा रहे है। बीएचयू में लोग सिर्फ वाराणसी ही नहीं बल्कि दूर- दूर से इलाज के लिए आते हैं। यह लोगों का भरोसा ही है जो लोगों को इतनी दूर से यहां खींच लाता है। बीएचयू के द्वारा अस्पताल में एम्स जैसी सुविधाएं देने की बात की जा रही है, लेकिन बीएचयू की लापरवाही जानकर आपके भी होश उड़ जायेंगे। वायरल फोटोज में बीएचयू ट्रामा सेंटर परिसर स्थित दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय में दांत के ऑपरेशन के बीच बिजली चली जाने पर चिकित्सक परेशान होकर ऑपरेशन में कोई रुकावट न आये इसलिए मोबाइल की लाइट में ही ऑपरेशन कर दिए। सर्जरी करने वाली टीम ने बताया की इसके बारे में प्रशासन से बात की गयी थी मगर प्रशासन द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। आखिरकार इतनी बड़ी लापरवाही उजागर होने पर अब देखने योग्य ये है कि इस मामले में बीएचयू प्रशासन क्या निर्णय लेता है?

महिला उत्पीड़न के खिलाफ सड़कों पर निकली महिलाएं,ढोल नगाड़ो के साथ निकाली रैली

समाज में महिलाओं पर बढ़ते उत्पीड़न के खिलाफ वाराणसी में आराजी लाइन और सेवापुरी ब्लाक के करीब 70 गांवों से हजारों महिलाएं सड़क पर उतरीं। बता दें कि लोक समिति, महिला चेतना समिति, दिहाड़ी मजदूर संगठन और आशा ट्रस्ट के द्वारा महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में एकत्रित हुई हज़ारों महिलाओं द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ राजातालाब बाजार से तहसील तक जन आक्रोश रैली निकाली गयी। इस रैली में महिलाओं ने घरेलु महिला हिंसा, लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न के खिलाफ तख्ती-बैनर हाथों में लेकर समानता के अधिकार के लिये नारा लगाया। साथ ही महिलाओं ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण रूप से शराब बिक्री पर प्रतिब लगाने की अपील की। हाथ में बैनर लिए महिलाओं ने पूरे राजातालाब बाजार का भ्रमण किया। रैली के दौरान सड़क पर घंटो जाम देखने को मिला। साथ ही तहसील में महिलाओं ने महिला हिंसा, बाल विवाह, गैरबराबरी के खिलाफ नारे लगाए और उपजिलाधिकारी को दस सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौपा। रैली और ज्ञापन सौंपने के बाद सिंचाई डाक बंगला में महिला हिंसा के खिलाफ महिला महा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी निरुपमा सिंह, लोक चेतना समिति की निदेशिका रंजू सिंह, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य जागृति राही तथा लोक समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर के द्वारा दीप जलाकर किया गया। सुरेंद्र सिंह पटेल ने महिलाओं को जागरूक होने को कहा तो बाल संरक्षण अधिकारी निरुपमा सिंह ने महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी। साथ ही महिलाओं ने महिला हिंसा को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया।

मिला मुख्यमंत्री का चार्ज तो दिखा देंगे कि कानून व्यवस्था को पटरी पर कैसे लाया जाता है? - ओम प्रकाश राजभर

वाराणसी पहुंचे सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने फिर से सरकार पर निशाना साधा। महंगाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जनता को महंगाई से तभी निजात मिलेगी जब भाजपा की विदाई होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये सरकार अंबानी और अडानी जैसे उद्योगपतियों के हाथों में खेल रही है। ओम प्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश में बढ़ रहे अपराध पर कहा कि यदि योगी जी एक हफ्ते के लिए मुझे चार्ज दे दें तो वह दिखा देंगे कि कानून व्यवस्था को कैसे पटरी पर लाया जाता है? हाथरस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को कोसते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जिस लड़की के साथ दुष्कर्म जैसी वारदात हुयी, उसके पार्थिव शरीर को रातों रात जबरदस्ती जलवा दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा के सारे आंकड़े फर्जी साबित हुए है। बंगाल चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि बंगाल में किसी का ज़ोर चलने वाला नहीं है। ममता बेनर्जी को एक मजबूत नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि फिर से बंगाल में उन्हीं की सरकार आएगी। किसान नेता राकेश टिकैत पर बोलते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्होंने सरकार और सत्ता की हवा निकल दी है और उन्हें हमारा पूरा समर्थन है। ओम प्रकाश ने कहा कि सरकार किसान आंदोलन को जाट आंदोलन से जोड़ने में जुटी हुयी है।

वाराणसी के निजी हॉस्पिटल की ओटी में लगी आग, सभी मरीज सुरक्षित

वाराणसी के महमूरगंज स्थित गैलेक्सी अस्पताल की तीसरी मंजिल पर आग लग गयी। सबसे पहले आग ओटी के बाहर लगे इलेक्ट्रॉनिक पैनल में लगी और देखते ही देखते आईसीयू तक फैल गयी। आग लगने के समय आईसीयू में 10 मरीज भर्ती थे जिन्हें तत्काल वहां से दूसरी बिल्डिंग में सिफ्ट किया गया। बता दें कि आग लगने के बाद अस्पताल प्रबंधन के लोगों ने फायर फाइटिंग इक्यूप्मेंट्स से आग पर काबू पाने की कोशिश की मगर लगातार फ़ैल रही आग को काबू करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गयी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटो की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। इस संबंध में फायर ऑफिसर अनिमेष सिंह ने बताया कि घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू किया गया। उन्होंने बताया कि आग इतनी फ़ैल चुकी थी कि उसको काबू करने के लिए फायर ब्रिगेड की दो से अधिक व्हकिल की सहायता लेनी पड़ी। साथ ही बताया कि फिलहाल आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है, आगे इसकी जांच करायी जाएगी।

गंगा की गोद में खुलने जा रही लाइब्रेरी, करेगी पर्यटकों को आकर्षित

काशी हमेशा से ही अपने आध्यात्मिक संस्कृति और साहित्य के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। वहीं अब काशी में एक अनोखी लाइब्रेरी खुलने जा रही है। माना जा रहा है कि यह लाइब्रेरी पूरे उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। इस लाइब्रेरी की सबसे खास बात है कि ये एक चलती फिरती लाइब्रेरी होगी। क्योंकि यह लाइब्रेरी किसी स्कूल, किसी विश्वविद्यालय या फिर किसी हेरिटेज बिल्डिंग में नहीं होगी बल्कि इसे गंगा की गोद में बनाया जाएगा। जी हां देश के साहित्य और संस्कृति को देखने आने वाले पर्यटकों के लिए इस लाइब्रेरी को नदी में नाव पर बनाया जा रहा है। काशी के इतिहास साहित्य और दर्शन को जानने के इच्छुक यहां हर रोज आने वाले पर्यटकों के लिए गंगा घाट पर अब यह ज्ञान का केंद्र खोला जा रहा है। अब पर्यटकों को यहां-वहां भटकने की जरुरत नहीं होगी, और अब वह सारी जानकारी किताबों के जरिये पाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा यह लाइब्रेरी गंगा नदी में चलने वाले बजड़े यानि एक बड़े नाव पर खोली जा रही है। इस लाइब्रेरी में सिर्फ काशी के धर्म और अध्यात्म ही नहीं बल्कि काशी के साहित्य और देश के भी महान लेखकों और साहित्यकारों के द्वारा लिखी गई किताब भी होगी। इस अनोखी लाइब्रेरी से किताबें लेकर आने वाले पर्यटक बोट में बैठकर या फिर गंगा घाट किनारे सीढ़ियों पर बैठकर इन किताबों बड़े ही आसानी से पढ़ सकेंगे। गंगा की गोद में बनने वाली यह अनोखी लाइब्रेरी सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं बल्कि यहां के उन स्थानीय युवाओं को भी आकर्षित करेगी, जो घाट पर यहां की संस्कृति को खोजने आते हैं। काशीवासी इस अनोखी लाइब्रेरी को लेकर अभी से उत्साहित हैं, जिसमे बड़े-बड़े साहित्यकारों की लेखनी से रूबरू होने को मिलेगा। काशी में जहां घाटों पर पर्यटकों को लुभाने के लिए कई योजनाएं की जा रही है, वहीं अब यह अनोखी लाइब्रेरी भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने सफल रहेगी, क्योंकि यहां की संस्कृति विश्व भर में प्रचलित है।

महिला सुरक्षा के लिए तैयार हुयी एक और डिवाइस

यूपी में महिला सुरक्षा को लेकर नित नए प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसे में वाराणसी की आर्यन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने महिला सुरक्षा की ओर एक कदम बढ़ाया है। छात्राओं ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है, जिसके माध्यम से आपातकालीन स्थिति में बिना मोबाईल के इस्तेमाल के ही लोकेशन और महिला हेल्प लाइन नंबर पर कॉल चली जाएगी। आपको बता दें कि कक्षा 11 की छात्रा अनन्या सिंह, वैष्णवी और पृशा ने मिलकर एक डिवाइस तैयार किया है, जो इस्तेमाल होने वाले टी-शर्ट में आसानी से लगाया जा सकता है। इस डिवाइस की खास बात ये है कि मुसीबत पड़ने पर हेल्प लाइन नंबर 112100 और परिवार के सदस्यों को लोकेशन भेज देगा। इस डिवाइस के बारे में छात्राओं ने बताया कि टी-शर्ट में लगे डिवाइस में एक वायर लेस एसओएस बटन दिया गया है। इस बटन को प्रेस करते ही पुलिस और परिवार को लोकेशन के साथ ऑडियो रिकार्डिंग भी मिलगी। छात्राओं ने बताया कि इस डिवाइस को बनाने में लगभग 5 दिन का समय लगा है और 3-4 हजार का खर्च आया है। इस डिवाइस को लेकर आर्यन इंटरनेशनल स्कूल की चेयरमैन सुबिना चोपड़ा ने उच्च मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

स्विट्जरलैंड में बुर्का बैन का प्रस्ताव पारित, छिड़ी बहस

फ्रांस के बाद अब एक और यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड ने भी मुस्लिम महिलाओं के बुर्के पर बैन लगाने की तैयारी कर ली है। स्विट्जरलैंड में हुए जनमत में 51 फीसदी लोगों ने देश में बुर्के पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। 14,26,992 मतदाताओं ने बुर्के पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है, तो वहीं 13,59,621 लोग इसके खिलाफ थे। इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद अब पूरे दुनिया में बहस छिड़ गई है। अंतरराष्ट्रीय वकील हिलेल नेउइर ने ट्वीट बताया है कि, वर्ष 2009 में स्विट्ज़रलैंड में स्विस संविधान में उस बदलाव के समर्थन में उन्होंने वोट दिया था, जिसमें मीनारों के निर्माण पर बैन लगाने की बात कही गयी थी। मगर इसके बावजूद भी मुस्लिम देशों ने संयुक्त राष्ट्र में कभी भी प्रस्ताव पारित करने का प्रयास नहीं किया। वहीं डॉक्टर यासिर काधी ने ट्वीट किया है कि स्विट्जरलैंड ने नकाब पर बैन लगाने के पक्ष में मतदान तो किया है मगर यह वही जमीन है जहां पर बहुत कम नागरिक ही अपने चेहरे को ढंकते हैं। उन्होंने जनता के पूरे वोट और इस चर्चा को इस्लाम से जुड़ी चर्चित पहचान को बैन करने का एक और प्रयास बताया है।

NEWS
TOP HEADLINES

ममता बेनर्जी को भेजा 51 हजार बार राम नाम लिखा पोस्ट, राम नाम से सजाया राम दरबार

जहां एक तरफ कोलकाता में ममता बनर्जी को राम नाम पर ऐतराज है, वहीं उनके इस ऐतराज ने वाराणसी के कलाकार धर्मेंद्र भारती ने एक महिला को कलाकार बना दिया है। बता दें कि महिला ने महिला दिवस के अवसर पर 51 हजार राम नाम के शब्द से राम दरबार बना कर ममता बनर्जी को डाक द्वारा पोस्ट किया है। महिला द्वारा बनायी गयी यह कला लोगों को राम भक्ति के रस में डुबो देती है और इस वक़्त 51 हज़ार राम नाम शब्द से बना राम दरबार बनारस में काफी चर्चा में है। बता दें की राम के प्रति अपनी श्रद्धा और प्रेम को कलम से राम दरबार के रूप में दर्शाती इस महिला का नाम शालिनी मिश्रा है। इन्होंने इस साल काशी विद्यापीठ से टॉप किया है और अभी एमएड की छात्र हैं। शालिनी ने अपने राम भक्ति को इस तरह से कागज पर अपनी कला से दर्शाया है कि पूरा बनारस राम भक्ति में सराबोर हो गया है। ज़ात हो कि इस तरवीर में सजा यह राम दरबार किसी मशीन या पेंट से नहीं बनाया गया है बल्कि इस शालिनी ने अपने हाथो से 51 हजार राम नाम शब्द से बनाया है। इस राम दरबार की तस्वीर को बनाने में एक महीने 30 दिन लगे हैं। बता दें कि जहां ममता बनर्जी को राम नाम से आपत्ति है, वहीं शालिनी ने इस तस्वीर को मंगलवार को महिला दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पोस्ट किया है। शालिनी ने वाराणसी के नीची बाग़ के महिला पोस्ट ऑफिस से डाक द्वारा यह राम दरबार की तस्वीर भेजी है। शालिनी का कहना है कि जैसे ममता बनर्जी ने राम नाम का अपमान किया है, उन्हें यह बिलकुल पसंद नहीं आया इसीलिए उन्होंने राम नाम से ही राम दरबार बना के ममता बनर्जी को भेजा है। उन्होंने बताया कि राम किसी विशेष राजनीति दल के नहीं हैं बल्कि राम सबके हैं। बनारस के लोगों ने भी शालिनी की सराहना की है। यह घटना यह दर्शाता है कि राम किसी राजनीतिक दल या किसी विशेष समुदाय के नहीं हैं। शायद यही वजह है कि ममता बनर्जी के राम नाम से ऐतराज करने से सिर्फ पश्चिम बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोग नाराज़ हैं।

अशोका इंस्टीट्यूट के छात्र ने बनाई एंटी कोरोना पिचकारी

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए वाराणसी के अशोका इंस्टिट्यूट मैकेनिकल इंजीनियरिंग फोर्थ ईयर के छात्र विशाल पटेल ने एक ऐसी पिचकारी बनाई है, जिससे होली खेलते वक़्त कोरोना से बचा जा सकता है। यह एंटी कोरोना पिचकारी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए लोगों पर रंगों की बौछार करेगा साथ ही सैनिटाइजेशन भी करेगा। बता दें कि यह मानव रहित पिचकारी है, जिसमें 8 लीटर तक वाटर कलर और 2 लीटर सेनेटाइजर भी भरा जा सकता है। यह पिचकारी 12 वोल्ट बैटरी से संचालित होती हैं। पिचकारी को कुछ इस तरह बनाया गया है कि इसमें लगे इंफ्रारेड सेंसर के 2 से 3 मीटर के रेंज में किसी के आने पर पिचकारी में लगा पंप एक्टिवेट हो जाता हैं और लोगो पर वाटर रंगो की बौछार शुरू हो जाती है। विशाल पटेल ने इसे 15 दिन में तैयार किया और इसे बनाने में 750 रुपये की लागत आयी है।

ग्वालियर में भीषण सड़क हादसा, 12 आंगनबाड़ी सेविका समेत 13 की मौत

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ग्वालियर में बस और ऑटो में भीषण भिड़ंत होने से यह हादसा हुआ और इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि इस हादसे में मृतकों में 12 महिलाएं हैं और एक ऑटो चालक शामिल है। जानकारी के अनुसार

मृतक महिलाएं आंगनबाड़ी में खाना बनाती थी और वहीं से दो ऑटो करके आ रही थी। मगर एक ऑटो के ख़राब हो जाने के कारण सभी माहिलाएं एक ही ऑटो में बैठ गयीं और ऑटो की बस से टक्कर हो गयी। बताते चले कि मुख्यमंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवार वालों को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

NEWS
TOP HEADLINES

जनसंख्या कानून को लेकर पूर्व बीजेपी सांसद ने की सिफारिस, कहा नहीं बना कानून तो सामने होगी विकट समस्या

सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बीजेपी के पूर्व सांसद डॉ राम विलास वेदांती जी महाराज ने परिचर्चा की। डॉ वेदांती महाराज ने बीजेपी के शासन काल की उपलयिों के बारे में बोलते हुए कहा कि बीजेपी ने हमेशा देश को जोड़कर चलने का काम किया है, जबकि कांग्रेस की सरकार ने हमेशा देश को तोड़कर शासन करने का काम किया। डॉ वेदांती महाराज ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा हिन्दू-मुस्लिम एकता तोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रोटी दिवस मनाया, जो तोड़ कर खायी जाती है, मगर नरेंद्र मोदी ने पूंगल दिवस मनाया जो कई चीजों के मिलने से बनती है और मिलकर ही खायी जाती है। जनसंख्या के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश में जनसंख्या विस्फोट हो रहा है। यदि जल्द से जल्द जनसंख्या कानून नहीं लाया गया तो भारत को एक विकट समस्या का सामना करना पड़ेगा। बंगाल में जय श्रीराम के नारे पर मचे बवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले ममता बनर्जी को जय श्रीराम के नारे पर कोई ऐतराज नहीं था मगर जब से उन्होंने मुख्यमंत्री पद संभाला है तब से वो इस नारे का इस्तेमाल सिर्फ वोट की राजनीति के लिए कर रही है।

वाराणसी में मुस्लिमों ने की शिव भक्तों पर फूलों की वर्षा, गंगा जमुनी तहजीब की पेश की मिशाल

शिवरात्रि के अवसर पर काशी नगरी में शिव भक्तों का रेला लगा हुआ था। जहां एक ओर काशी विश्वनाथ मंदिर और आस पास का पूरा परिसर हर हर महादेव के नारों से गूंज रहा था वहीं दूसरी ओर काशी के मुस्लिमों ने शिव भक्तों पर फूलों की वर्षा की। काशी में इस नजारे को देख सभी चकित और हर्षित हुए। गंगा-जमुनी तहजीब की ऐसी मिशाल पेश करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी काफी हर्षित दिखें। फूलों की वर्षा करने वाले शेख मोहम्मद आसिफ ने कहा कि काशी में लोग मंदिर में मत्था भी टेकते है और मस्जिद में नमाज भी पढ़ते है। ऐसे में शिवरात्रि के अवसर पर शिव भक्तों पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। इस संबंध में जुबैदा खातून अंसारी ने कहा कि हम सभी मिलकर शवरात्रि का पर्व मना रहे है और पूरे देशभर में गंगा-जमुनी तहजीब की मिशाल पेश कर रहे हैं।

वर्ग-पहेली!

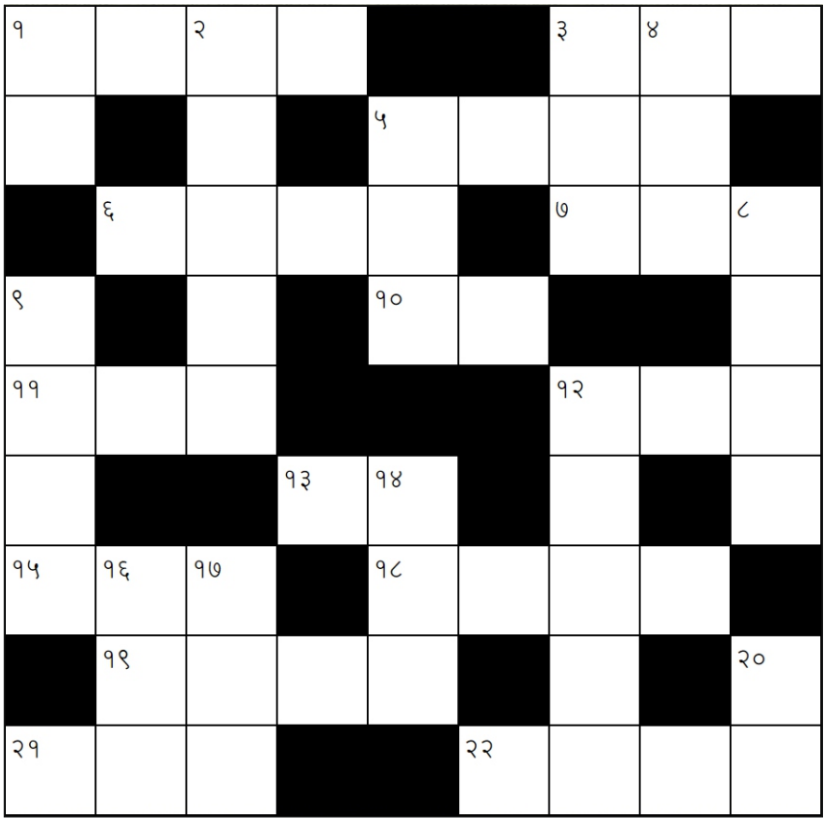

ऊपर से नीचे-

१.भूसा, घास-फूस (२)
२.छीना-झपटी (२,३)
३.मुमकिन, हो सकने योग्य (३)
४.कागज जैसा (३)
५.झगड़ा, युद्ध (३)
८.युद्ध की नीति, नियम या तरीका (४)
९.बेमेल अनुचित (४)
१२.उसके बाद (५)
१४.थोड़ा (३)
१६.गुमशुदा (३)
१७.तन (३)
२०.तरल की वह मात्रा जो एक बार में निगली जा सके (२)

बाएँ से दाएँ-

१.चाटुकार, खुशामदी (४)
३.विभाग (३)
५.अंदाजन, करीब-करीब (४)
६.आधा माह, एक पक्ष, पंद्रह दिन (४)
७.मंत्री (३)
१०.डाह, जलन (२)
११.विपत्ति (३)
१२.एक उँगली का नाम (३)
१३.साधु व्यक्ति, महात्मा (२)
१५.खोज (३)
१८.वह आनंद जो सदा बना रहे (४)
१९.परीक्षा लेने वाला (४)
२१.एक तार वाद्य (३)
२२.श्मशान (४)

उत्तर-

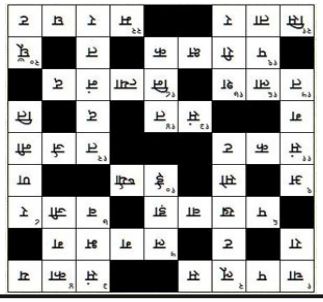

मिथिलेश पटेल
(संरक्षक)

राजू श्रीवास्तव
(संपादक)

रमेश उपाध्याय
(वरिष्ठ पत्रकार)

विकास श्रीवास्तव
(पत्रकार)

सुधीर कुमार गुप्ता
(वीडियो एडिटर)

निमांषी पांडेय
(वीडियो एडिटर)

धीरेन्द्र प्रताप
(छायाकार)

रवि पटेल
(कंटेंट एडिटर)

प्रियांशी श्रीवास्तव
(कंटेंट एडिटर)

अमित यादव
(मार्केटिंग)

कुलदीप कपूर
(संवाददाता)

मो. कैफ
(संवाददाता)

HOTEL UTSAV RESIDENCY

FACILITIES:

- Take the Charge & Control of or Centralized Air Conditioned Rooms.
- For good picture quality & clear visibility, enjoy our 32" LCD Television.
- 24 Hours Room Service.
- Doctor on Call.
- Laundry Services.
- Medical Centre.
- Free Wifi.

LOCATION:

BABA COMPLEX, BHU ROAD, LANKA, VARANASI

Email: hotelutsavresidency@gmail.com
Tel. 0542-2367080

BABA RESTAURANT

The Restaurant serves everything from traditional Indian, Chinese and Continental Cuisine dishes.

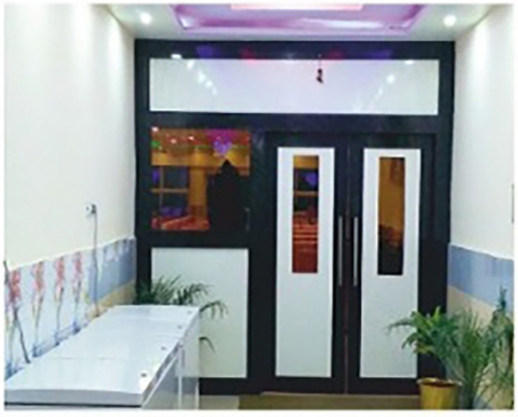

go mmt GROUP
make my trip | goibibo

Suny's Bakery

Homey·Delicious·Fresh

HAPPINESS IS....

....a nice hot cup of tea & a packet of biscuit

Atta

Till

Jeera

Coconut

Ajwain

Khalawapur, Khamaria, Bhadohi UP- 221306

8081708047 sunysbakery@gmail.com